RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:83 ता. 23 सितम्बर 2022, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

फिर बढ़ी कोरोना की रफ्तार, 24 घंटे में 5443 नए मामले; 26 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के कुल 5,443 नए मामले सामने आए हैं। बता दें कि कल यानी 21 सितंबर को कोरोना के 4,510 मामले दर्ज किए गए थे। कल के मुकाबले आज कोरोना के 933 केस बढ़े हैं।

एक्टिव केस में इजाफा

बीते 24 घंटे में सक्रिय मरीजों की संख्या में इजाफा भी हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार एक दिन में कोरोना से 5,291 लोग रिकवर हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 46,342 हो गई है।

26 लोगों की मौत

मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान कोरोना से 26 लोगों की मौत भी हुई है। अकेले केरल राज्य में 12 लोगों की मौत हुई है। देश में कोविड 19 से अब तक कुल 5 लाख 28 हजार 429 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, कोरोना के अब तक कुल 4 करोड़ 45 लाख 53 हजार 42 मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा 4 करोड़ 39 लाख 78 हजार 271 मरीज ठीक भी हुए हैं।

217.11 करोड़ से ज्यादा लगी वैक्सीन-देश में अब तक कोरोना वैक्सीन की कुल 217.11 करोड़ से ज्यादा खुराक लग चुकी है। 102.59 करोड़ से ज्यादा लोगों को पहली डोज लग चुकी है। 94.70 करोड़ से ज्यादा दूसरी खुराक दी जा चुकी है। 19.80 करोड़ से ज्यादा लोगों को प्रीकाशन डोज भी लग चुकी है। 24 घंटे में कुल 15 लाख 85 हजार 343 लोगों को वैक्सीन लगी है।

10 राज्यों में पीएफआई के खिलाफ ईडी और एनआईए का एक्शन, 100 से ज्यादा गिरफ्तारियां

जांच एजेंसियों ने पीएफआई के प्रदेश और जिला स्तरीय नेताओं के घर पर रेड की है। साथ ही इस बार एजेंसियों ने मलप्पुरम जिले के मंजेरी में पार्टी के चेयरमैन सलाम परद भी शिकंजा कसा है।

तिरुवनंतपुरम। आतंकवाद के खिलाफ अभियान में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी और प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार सुबह बड़ी कार्रवाई की। खबर है कि जांच एजेंसियों ने करीब 10 राज्यों में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया यानी पीएफआई पदाधिकारियों के आवास और दफ्तरों पर रेड की है। इस दौरान 100 से ज्यादा कैडर को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के बाद कर्नाटक, केरल में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध किया है।

खबर है कि एनआईए ने आतंकवाद में फंडिंग, ट्रैनिंग कैंप करने में शामिल लोगों के आवास और आधिकारिक ठिकानों पर तलाशी की है। एनआईए की रेड उत्तर प्रदेश, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु में जारी है। समाचार एजेंसी एएनआई ने

सूत्रों के हवाले से बताया कि जांच एजेंसियों ने करीब 10 राज्यों में प्रदेश पुलिस के साथ मिलकर 100 से ज्यादा कैडर्स को गिरफ्तार किया है।

इसके अलावा एनआईए ने तमिलनाडु में भी कोयंबटूर, कुड्डलोर, रामनाद, डिंडुगल, थेनी और थेनकाशी समेत कई जगहों पर पीएफआई के पदाधिकारियों के आवास पर रेड की है।

एनआईए की रेड उत्तर प्रदेश, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु में जारी है। समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि जांच एजेंसियों ने करीब 10 राज्यों में प्रदेश पुलिस के साथ मिलकर 100 से ज्यादा कैडर्स को गिरफ्तार किया है।

इसके अलावा राजधानी चेन्नई में पीएफआई के प्रदेश मुख्यालय में भी तलाशी जारी है।

चेयरमैन पर भी शिकंजा

जांच एजेंसियों ने पीएफआई के प्रदेश और जिला स्तरीय नेताओं के घर पर रेड की है। साथ ही इस बार एजेंसियों ने मलप्पुरम जिले के मंजेरी में पार्टी के चेयरमैन सलाम परद भी शिकंजा कसा है। सलाम के खिलाफ कार्रवाई के विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन जारी है। गुरुवार को बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की।

रविवार को भी पड़े थे छापे

रविवार को भी एनआईए ने आंध्र प्रदेश के अलग-अलग जिलों में रेड की थी। उस दौरान पीएफआई सदस्यों को पूछताछ के लिए ले जाया गया था। जांच एजेंसी ने हिंसा भड़काने और गैर कानूनी गतिविधियों से जुड़े मामलों में कार्रवाई की थी। उस दौरान एनआईए अधिकारियों की 23 टीमों में निजामाबाद, कुर्नूल, गुंटूर और नेल्लोर जिले में करीब 38 ठिकानों तलाशी ली थी।

राहुल गांधी के खिलाफ भी उठी कांग्रेस में आवाज ! प्रस्तावों के विरोध में एक करीबी

नई दिल्ली। वायनाड सांसद राहुल गांधी को दोबारा कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की मांग जोरों पर हैं। एक दर्जन से ज्यादा राज्यों में उनके नाम का समर्थन कर रहे प्रस्तावों पर मुहर लग चुकी है, लेकिन इसी बीच तमिलनाडु में कांग्रेस के एक नेता ने इन प्रस्तावों का विरोध किया है। इधर, कन्याकुमारी से जम्मू-कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त राहुल खुद भी चुनाव लड़ने से इनकार करते नजर आ रहे हैं। एजेंसी के मुताबिक, माना जा रहा है कि कांग्रेस के डेटा एनालिटिक्स डिपार्टमेंट के प्रमुख प्रवीण चक्रवर्ती ने तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक में असंतोष जाहिर किया है। खास बात है कि राहुल के करीबी माने जाने वाले चक्रवर्ती उन नेताओं में से हैं, जो लगातार दबी आवाज में कांग्रेस में संगठन स्तर पर सुधार की बात कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, नेताओं का मानना है कि चक्रवर्ती को लगता है कि इन प्रस्तावों की जरूरत नहीं है और इन्हें गांधी परिवार से मंजूरी भी नहीं मिली है।

किन राज्यों में पास हुए प्रस्ताव-पंजाब, गोवा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, बिहार और जम्मू-कश्मीर की कांग्रेस इकाइयों ने राहुल को अध्यक्ष बनाने के लिए प्रस्तावों पर मुहर लगा दी है। सबसे पहले राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की तरफ से प्रस्ताव लाया गया था। खास बात है कि राज्य के ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को रेस में आगे माना जा रहा है।

गहलोत बनाम थरूर होगा मुकाबला?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत अध्यक्ष पद पर दावेदारी पेश करने के लिए लगभग तैयार नजर आ रहे हैं। इसके अलावा तिरुवनंतपुरम सांसद शशि थरूर भी चुनाव लड़ने के संकेत दे रहे हैं। हालांकि, उन्होंने अभी तक नामांकन पर खुलकर कुछ नहीं कहा है, लेकिन अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात और ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी दफ्तर में चुनाव समिति से मुलाकात इस ओर संकेत दे रही हैं।

मानसून की विदाई से पहले तरबतर होंगे ये राज्य, एमपी राजस्थान में भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली। मानसून जाते-जाते कई राज्यों को भिगोने की तैयारी में है। खबर है कि मंगलवार को पश्चिम राजस्थान और कच्छ के बाद अब मानसून के लौटने में देरी हो रही है। गुरुवार को मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के आसार हैं। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश और उससे सटे दक्षिण उत्तर प्रदेश पर बना कम दबाव का क्षेत्र अगले 2 दिनों के दौरान पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ सकता है। गुरुवार को विदर्भ, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में बिजली/गरज और भारी बारिश के साथ व्यापक हल्की या मध्य बारिश होने की संभावना है। जबकि, मध्य प्रदेश में शुक्रवार

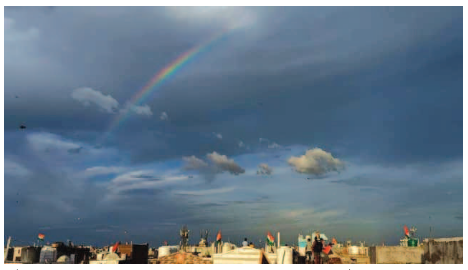

और शनिवार को यह स्थित बन सकती है। इसके अलावा गुरुवार को मध्य प्रदेश में बहुत भारी बारिश के आसार हैं। 26 सितंबर तक उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में बिजली/गरज के साथ हल्की या मध्यम बारिश हो सकती है।

यहां भी बदलेगा मौसम

हरियाणा में भी गुरुवार को बिजली/गरज और भारी बारिश के साथ व्यापक हल्की या मध्यम वर्षा होने की संभावनाएं हैं। साथ ही राजस्थान में शुक्रवार तक यह स्थिति बन सकती है। राजधानी दिल्ली में भी आज मध्यम बारिश के आसार हैं। पूर्वी राजस्थान और पूर्वी उत्तर प्रदेश में गुरुवार को भारी बारिश हो सकती है।

होटल के कमरे में एक युवक के साथ थीं तीन महिलाएं, पुलिस ने दरवाजा खुलवाया तो रह गई दंग, छह गिरफ्तार

भाषा के अनुसार, मौसम केंद्र जयपुर के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि अगले चार-पांच दिन पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में मानसून के फिर से सक्रिय होने और जयपुर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर व अजमेर संभाग के अधिकतर भागों में हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। प्रवक्ता के अनुसार, अगले तीन-चार दिनों तक पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग के पूर्वी हिस्से में छुटपुट स्थानों पर बादल गरजने के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है।

शशि थरूर को नहीं मिल रहा अपनों का साथ, नेता बोले- 'इंटरनेशनल आदमी', नहीं लड़ना चाहिए चुनाव

तिरुवनंतपुरम।तिरुवनंतपुरम सांसद शशि थरूर चुनाव लड़ेंगे या नहीं? फिलहाल, यह साफ नहीं है। लेकिन एक बात साफ है कि उन्हें अपने ही गृहराज्य केरल से ही पूरा समर्थन नहीं मिल रहा है। हालात ऐसे हैं कि नेता उन्हें 'इंटरनेशनल' बताकर चुनाव नहीं लड़ने की सलाह दे रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के लिए दो दिनों में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम भी रेस में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केरल के ही कई नेता राहुल गांधी को अध्यक्ष के तौर पर दोबारा देखना चाहते हैं। साथ ही राज्यों की तरफ से प्रस्तावों पर लग रही मुहर भी इस मांग को मजबूत करती नजर आ रही है। हालांकि, खबरें आई कि नेता लगातार राहुल को दोबारा पद संभालने के लिए मना रहे हैं, लेकिन वह ऐसा नहीं करना चाहते। कहा जा रहा है कि राहुल गैर-गांधी को अध्यक्ष बनाना चाहते हैं। संवाददाता से बातचीत में लोकसभा में कांग्रेस के चीफ व्हिप के सुरेश ने कहा, शशि थरूर को चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। वह एक अंतरराष्ट्रीय व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा, यहां आम सहमति से उम्मीदवार चुना जाना चाहिए। हम अभी भी राहुल गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष बनने के लिए अनुरोध कर रहे हैं। एक अन्य सांसद बेनी बेहनान ने कहा, मुझे नहीं लगता शशि थरूर लड़ेंगे और वह पार्टी आलाकमान के निर्देशों को मानेंगे।

सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कि सहमति से उम्मीदवार चुना जाए। हालांकि, हाल ही में हुई थरूर और पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी की मुलाकात के बाद समीकरण बदलते नजर आ रहे हैं। इधर, सीएम गहलोत भी आने वाले समय में चुनाव के लिए नामांकन दाखिल कर सकते हैं। बुधवार को ही थरूर ने ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी कमेटी पहुंकर केंद्रीय चुनाव समिति से मुलाकात की थी। इधर, गहलोत भी दिल्ली में ही थे। उन्होंने सोनिया के साथ लंबी बैठक की। कहा जा रहा है कि वरिष्ठ नेता अध्यक्ष बनने पर भी राजस्थान के मुख्यमंत्री का पद छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं।

कर्नाटक विधानसभा में मतांतरण विरोधी बिल पारित, धर्म परिवर्तन पर कैद की सजा के साथ जुर्माने का प्रावधान

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में मतांतरण विरोधी विधेयक पास हो गया है। विपक्षी दल कांग्रेस ने इसका विरोध करते हुए सदन से वाकआउट किया। पिछले ही हफ्ते 15 सितंबर को इस बिल को मामूली संशोधन के साथ विधान परिषद में भी पारित किया जा चुका है। इससे पहले, कर्नाटक के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने विधानसभा में धर्म की स्वतंत्रता के अधिकारों का कर्नाटक संरक्षण विधेयक, 2022 को पेश किया। राज्यपाल की सहमति के बाद, कानून 17 मई, 2022 से प्रभावी होगा। इसी तारीख को अध्यादेश जारी किया गया था।

नए बिल के अनुसार अगर कोई कपटपूर्ण तरीके से एक धर्म से दूसरे धर्म में अवैध धर्म परिवर्तन कराता है तो इसमें 25 हजार रुपये के जुर्माने के साथ ही पांच

पिछले ही हफ्ते 15 सितंबर को इस बिल को मामूली संशोधन के साथ विधान परिषद में भी पारित किया जा चुका है। इससे पहले, कर्नाटक के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने विधानसभा में धर्म की स्वतंत्रता के अधिकारों का कर्नाटक संरक्षण विधेयक, 2022 को पेश किया। राज्यपाल की सहमति के बाद, कानून 17 मई, 2022 से प्रभावी होगा।

साल की कैद की सजा होगी। एससी या एसटी का मतांतरण कराने वालों को तीन से दस साल की कैद और अधिकतम 50 हजार रुपये का जुर्माना भरना होगा। मतांतरण करवाने वाले अपराधियों को तीन से दस साल की कैद और एक लाख रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ेगा।

विधानसभा में कांग्रेस नेता यूटी खादर ने कहा कि हर कोई जबरन मतांतरण का विरोध करता है। इस विधेयक को लाने का इरादा सही नहीं है। यह राजनीति से प्रेरित, अवैध और असंवैधानिक है। इसे अदालतों में चुनौती दी जाएगी। फिर अदालतें इस पर स्टे दे सकती हैं या इसे खत्म कर सकती हैं। कांग्रेस विधायक शिवानंद पाटिल ने कहा कि इस से दुरुपयोग होने की पूरी आशंका है। इससे लोगों का उत्पीड़न भी हो सकता है। विधेयक का बचाव करते हुए राज्य के गृह मंत्री ज्ञानेंद्र ने कहा कि विधेयक में दुरुपयोग या भ्रम की कोई गुंजाइश नहीं है। यह किसी भी तरह से धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ नहीं है। उन्होंने बताया कि विधि आयोग के ऐसे विभिन्न कानूनों का अध्ययन करने के बाद मतांतरण विरोधी बिल लाया गया है। दिसंबर में ज्ञानेंद्र ने कहा था कि आठ राज्य इस तरह के कानून को पारित कर रहे हैं या लागू कर रहे हैं। इसी के साथ कर्नाटक नौवां राज्य हो जाएगा। इस बिल का विरोध ईसाई समुदाय के लोगों ने भी किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने जताई उम्मीद, 2041 में अधर में नहीं रह सकता 'दिल्ली का मास्टर प्लान'; अधिसूचना अगले साल होगी जारी

नई दिल्ली। अगले 20 सालों के दिल्ली के मास्टर प्लान 2041 की अधिसूचना अधर में नहीं रह सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने उम्मीद जताई है कि फाइनल मास्टर प्लान अगले साल 30 अप्रैल को या उससे पहले जारी किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय किशन कौल और अभय एस ओका की पीठ ने एडिशिनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी द्वारा एमपीडी -2041 की अंतिम मंजूरी और अधिसूचना के लिए कट-ऑफ तारीखें दिए जाने के बाद यह बयान दिया है।

समाचार एजेंसी एएनआई से मिले इनपुट के अनुसार एडिशिनल सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि MPD-2041 को दिसंबर 2022 के पहले सप्ताह में प्राधिकरण के सामने रखा जाएगा और दस्तावेज में कोई भी संशोधन दिसंबर 2022 के अंतिम सप्ताह तक किया जाएगा। एएसजी भाटी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 15 जनवरी 2023 तक एमपीडी-2041 की अंतिम मंजूरी और अधिसूचना के लिए आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय को पत्र भेजा जाएगा।

अंतिम मास्टर प्लान 30 अप्रैल, 2023 को या उससे पहले होगा जारी

पीठ ने अपने हालिया आदेश में कहा कि भले ही दी गई तारीखें संभावित हैं। हम उम्मीद

करते हैं कि इन तारीखों का सख्ती से पालन किया जाएगा, क्योंकि यह मामला अनंत काल तक अधर में नहीं रह सकता है। हमें यकीन है कि अंतिम मास्टर प्लान 30 अप्रैल, 2023 को या उससे पहले जारी किया जाएगा।

पीठ ने कहा कि 24 अगस्त को सुनवाई की पिछली तारीख पर सुप्रीम कोर्ट ने डीडीए और एएसजी के वकील को संबंधित विभाग से आवश्यक निर्देश प्राप्त करने का निर्देश दिया था कि मास्टर प्लान को कितने समय में अधिसूचित किया जाएगा। गौरतलब है कि मास्टर प्लान 2041 के मौजूदा ड्राफ्ट को तत्कालीन उपराज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में डीडीए की बोर्ड बैठक में मंजूरी दी गई थी। 9 जून 2021 को इसका ड्राफ्ट जारी कर लोगों से आपत्तियां और सुझाव मांगे गए थे। 75 दिनों के अंतराल पर डीडीए को इस ड्राफ्ट मास्टर प्लान पर 33 हजार से अधिक आपत्तियां और सुझाव मिले थे।

● सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय किशन कौल और अभय एस ओका की पीठ ने एडिशिनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी द्वारा एमपीडी -2041 की अंतिम मंजूरी और अधिसूचना के लिए कट-ऑफ तारीखें दिए जाने के बाद यह बयान दिया है।

सार समाचार

दुर्गा पूजा पर रोक लगाने वाली पश्चिम बंगाल सरकार यूनेस्को के सम्मान का श्रेय ले रही है: मीनाक्षी लेखी

नयी दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि दुर्गा पूजा और मूर्ति विसर्जन पर ''रोक'' लगाने वाली पश्चिम बंगाल सरकार इस त्योहार को यूनेस्को की मानवता की 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' सूची में शामिल किए जाने का श्रेय ले रही है। यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए लेखी ने पश्चिम बंगाल सरकार के इस रवैये को 'विचित्र' करार दिया। उन्होंने कहा कि संस्कृति मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) को एक प्रस्ताव भेजकर गुजरात के गरबा नृत्य को भी मानवता की 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' की सूची में शामिल किए जाने का अनुरोध किया है। इस माह की शुरुआत में बनर्जी ने 'कोलकाता में दुर्गा पूजा' को यूनेस्को की इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल किए जाने की खुशी में एक रैली की अगुवाई की थी। लेखी ने तंज किया, 'पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बहुत व्यस्त होंगी। उनके सलाहकार उन्हें जो सलाह दे रहे हैं उन पर प्रश्न उठता है।'' उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा को यूनेस्को की सूची में शामिल करने का प्रस्ताव संस्कृति मंत्रालय ने 2019 में भेजा था, जिसे दिसंबर 2021 में स्वीकार किया गया। लेखी ने कहा कि दूर्गा पूजा को इस सूची में शामिल किया जाना पूरे देश के लिए गर्व की बात है लेकिन 'इस पर राजनीति सही नहीं है।' उन्होंने कहा कि देश की सभी परंपराओं की एक सुर में सराहना की जानी चाहिए और दुर्गा पूजा पूर्वी भारत में जिस प्रकार से महत्वपूर्ण है, उसी प्रकार से यह दक्षिणी और पश्चिम भारत में भी महत्वपूर्ण है। लेखी 24 अक्टूबर को कोलकाता जाएंगी जहां वह दुर्गा पूर्जा उत्सव से जुड़े 30 कलाकारों, मूर्तिकारों व पंडाल निर्माताओं को सम्मानित भी करेंगी।

पंजाब विधानसभा का सत्र 27 सितंबर को होगा: मुख्यमंत्री मान

चंडीगढ़ । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को कहा कि विधानसभा का सत्र 27 सितंबर को आयोजित होगा। राज्य विधानसभा का विशेष सत्र आहूत करने का फैसला राज्यपाल द्वारा वापस करने के बाद मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। मान ने कहा, मंत्रिमंडल की बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि विधानसभा का सत्र 27 सितंबर को आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि सत्र में बिजली और पराली जलाने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि विशेष सत्र आहूत करने का फैसला वापस लिए जाने के कदम को वह सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने वाले हैं। गौरतलब है कि पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने विश्वास प्रस्ताव पेश करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र आहूत करने की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की योजना को बुधवार को विफल कर दिया।

महाराष्ट्र एटीएस ने पीएफआई के 20 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया

मुंबई। महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने गुरुवार को राज्य से पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के 20 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। गौरतलब है कि कई जांच एजेंसियां देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने और समुदायों के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देने की गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल संदिग्धों के खिलाफ 11 राज्यों में छापेमारी कर रही हैं। इस दौरान एटीएस ने महाराष्ट्र में ये गिरफ्तारियां की। अधिकारी ने बताया कि एटीएस के विभिन्न दलों ने मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, औरंगाबाद, पुणे, कोल्हापुर, बीड़, परभणी, नांदेड, मालेगांव (नासिक जिला) और जलगांव में छापे मारे। उन्होंने बताया कि एटीएस दलों ने राज्य में विभिन्न स्थानों से कम से कम 20 लोगों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए। उन्होंने बताया कि एटीएस ने भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं में मुंबई, नासिक, औरंगाबाद और नांदेड में चार मामले दर्ज किए हैं। एटीएस अधिकारी इन मामलों के संबंध में कुछ लोगों से पूछताछ भी कर रहे हैं।

दिल्ली: फर्जी ऑनलाइन निवेश का प्रलोभन देकर लोगों को ठगने वाले दो गिरफ्तार

नयी दिल्ली। दिल्ली में फर्जी ऑनलाइन निवेश के संदेश भेजकर लोगों से लाखों रुपये ठगने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को कहा कि आरोपी लोगों को आकर्षक योजनाओं में निवेश करने का झांसा देकर उन्हें फर्जी लिंक के संदेश भेजते थे। पुलिस ने कहा कि आरोपियों की पहचान दिल्ली के पीतमपुरा निवासी पुनीत कुमार (22) और कराला के रोहित कुमार (26) के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि 21 फरवरी को एक शिकायत प्राप्त हुई जिसमें पीड़ित ने कहा था कि उसे सोशल मीडिया पर एक अज्ञात प्रोफाइल से, 'घर बैठे काम करने' संबंधी एक संदेश मिला। शिकायतकर्ता के जवाब देने पर उसे एक और संदेश प्राप्त हुआ जिसमें दूसरी ओर से कहा गया कि वह एक ई-वाणिज्य परियोजना में काम करती है और शिकायतकर्ता को पैसे कमाने के लिए एक लिंक पर जाकर पंजीकरण करवाना होगा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शिकायतकर्ता ने पंजीकरण करवाने के बाद उस लिंक पर दिए गए 'टास्क' को पूरा करना शुरू कर दिया जिससे उसे 4,35,000 रुपये की चपत लग गई। पुलिस उपायुक्त (रोहिणी) प्रणव तायल ने कहा कि जांच में सामने आया कि पैसे दो बैंक खातों में जमा किये गए थे। उन्होंने कहा कि बाद में तकनीकी सहायता के जरिये रोहिणी के रामा विहार से पुनीत को गिरफ्तार किया गया और उससे पूछताछ के बाद रोहित को पकड़ा गया।

सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हिजाब विवाद पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली । देश की सर्वोच्च अदालत ने चर्चित हिजाब विवाद पर सुनवाई के बाद उन याचिकाओं पर गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें कर्नाटक हाईकोर्ट के राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध हटाने से इनकार करने के निर्णय को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने दस दिन की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा है। अब सुप्रीम कोर्ट अपने फैसले में तय करेगा कि कर्नाटक हाईकोर्ट द्वारा दिया गया फैसला सही है या नहीं। हालांकि, 16 अक्टूबर को जस्टिस हेमंत गुप्ता रिटायर हो रहे हैं, इसलिए माना जा रहा है कि हिजाब बैन मामले फैसला इससे पहले आने की उम्मीद है। दरअसल, कर्नाटक हाईकोर्ट ने 15 मार्च को उडुपी में 'गवर्नमेंट प्री-यूनिवर्सिटी गर्ल्स कॉलेज' की मुस्लिम छात्राओं के एक वर्ग द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने कक्षाओं के भीतर हिजाब पहनने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। अदालत ने कहा था कि यह (हिजाब) इस्लाम धर्म में अनिवार्य धार्मिक प्रथा का हिस्सा नहीं है। इसके बाद राज्य सरकार ने पांच फरवरी 2022 को दिए आदेश में स्कूलों तथा कॉलेजों में समानता, अखंडता और सार्वजनिक व्यवस्था में बाधा पहुंचाने वाले वस्त्रों को पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए कई याचिकाएं दायर की गईं। न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने आज इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। कर्नाटक सरकार ने हिजाब संबंधी अपने आदेश को मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में 'धर्म निरपेक्ष' बताया। राज्य सरकार ने अपने आदेश का जोरदार बचाव करते हुए पोपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को विवाद के लिए दोषी ठहराते हुए दावा किया कि यह एक 'बड़ी साजिश' का हिस्सा था। राज्य सरकार ने जोर दिया कि शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने के समर्थन में आंदोलन कुछ लोगों व्यक्तियों द्वारा 'स्वत:स्फूर्त' नहीं था और अगर उसने उस तरह से काम नहीं किया होता तो वह 'संवैधानिक कर्तव्य की अवहेलना' की दोषी होती। कर्नाटक सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सर्वोच्च न्यायालय में कहा कि पीएफआई ने सोशल मीडिया पर एक अभियान शुरू किया था जिसका मकसद 'लोगों की धार्मिक भावनाओं' के आधार पर आंदोलन शुरू करना था।

उद्धव को फडणवीस की चुनौती, आप मुझे खत्म नहीं कर सकते...कोशिश करके देख लिया

मुंबई । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा और कहा कि ठाकरे कभी भी फडणवीस को खत्म नहीं कर पाएंगे। एएनआई से बात करते हुए डिप्टी सीएम फडणवीस ने कहा कि आपने कांग्रेस और राकांपा के साथ अपनी पूरी कोशिश की। आप मुझे खत्म नहीं कर सके और बाद में भी नहीं कर पाएंगे। अपने तंज में फडणवीस ने 2019 में शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा के गठबंधन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2019 के चुनावों में, आप (सत्ता में) पीएम मोदी की फोटो दिखाकर आए, बीजेपी को पीठ में छुरा घोंपा और फिर कांग्रेस और एनसीपी के साथ गए। फडणवीस ने कहा कि आपके विरोधी कितना भी बुरा क्यों न चाहें। भाग्य में जो लिखा है वही होगा। उद्धव ठाकरे के भाषण पर टिप्पणी करते हुए फडणवीस ने कहा कि यह उनकी हताशा बोल रही थी। जब वह नए सिरे से चुनाव की मांग करते हैं, तो मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उन्होंने पीएम मोदी की तस्वीर दिखाकर शिवसेना के चुनाव जीतने के बाद चुनाव क्यों नहीं लड़ा और चले गए राकांपा और कांग्रेस के साथ सरकार बनाने। फिर आपने एक और चुनाव क्यों नहीं लड़ा? आप सीधे सरकार बनाने के लिए क्यों गए?'

खालिस्तान जनमत संग्रह को बताया हास्यपद

म्यांमार की घटना पर विदेश मंत्रालय ने किया आगाह- नौकरी की पेशकश लेने से पहले सावधानी बरतें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विदेशों में जॉब पाना ज्यादातर भारतीयों का सपना होता है। लेकिन कई बार इस तरह की खबरें भी आती हैं कि विदेश गए भारतीय कामगारों से सही से व्यवहार नहीं किया गया। लेकिन बीते दिनों 300 भारतीयों को म्यांमार में एक गिरोह द्वारा बंधक बनाये जाने की खबर ने हर किसी को हैरान कर दिया। कहा गया कि अच्छी जॉब का झांसा देकर उनसे हर दिन 15-15 घंटे काम करवाया जा रहा है। जिसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय हरकत में भी आया। म्यांमार में फंसे 30 भारतीयों को बचाया गया। अब पूरे मामले को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से बयान सामने आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हमें इस बात की जानकारी है कि आईटी कंपनियां थाईलैंड में नौकरी के बहाने भारतीय कामगारों की भर्ती करती हैं। जिन्हें म्यांमार ले जाया गया था। हमारे प्रयासों की बदौलत हमने कुछ लोगों को बचाने में मदद की है। हम भारतीय नागरिकों से वहां नौकरी की पेशकश लेने से पहले सावधानी बरतने का आग्रह करते हैं।

जम्मू कश्मीर हमारा आंतरिक मामला

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन की यूएनजीए में कश्मीर पर टिप्पणी पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि ये एक अलग मुद्दा है, हमारी स्थिति सर्वविदित है। जम्मू कश्मीर हमारा आंतरिक मामला है और हमने अपना विरोध जताया है। यूएनजीए में अन्य देशों द्वारा कश्मीर का संदर्भ मायने नहीं रखता। अरिंदम बागची ने कहा कि भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध के तत्काल समाप्ति के लिए बातचीत और कूटनीति के माध्यम से चल रहे संघर्ष को हल करने पर जोर दिया है। पीएम मोदी ने एसीओ की बैठक में जो बाइडन के सामने भी यह दोहराया था। दोनों देशों की अखंडता और संप्रभुता पर भारत स्थिति स्पष्ट रही है।

खालिस्तान जनमत संग्रह हास्यास्पद

कनाडा में खालिस्तान जनमत संग्रह पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह एक हास्यास्पद कोशिश है जो कनाडा में चरमपंथी और कट्टरपंथी तत्वों द्वारा आयोजित किया गया था। इस मामले को कनाडा के प्राधिकारियों के साथ उठाया गया था। हमें यह बेहद आपत्तिजनक लगता है कि एक मित्र देश में राजनीति से प्रेरित एक्साइज किए जाते हैं।

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती, अमेठी से मैंने यही सीखा है: स्मृति ईरानी

अमेठी (उप्र) (एजेंसी)।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने बृहस्पतिवार को कहा युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती है एक ना एक दिन उन्हें जीत जरूर मिलती है, अमेठी से मैंने यही सीखा है। स्मृति ईरानी ने वीडियो कांफ्रेस के जरिए रोजगार मेले को संबोधित करते हुए कहा, ''जिन छात्र छात्राओं का आज इस रोजगार मेले में चयन नहीं हुआ है, उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है, उन्हें अपनी कोशिश जारी रखनी चाहिए कोशिश करने वाले की कभी हार नहीं होती है। अमेठी से मैंने यही सीखा है।'' ईरानी ने कहां कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के बाद देश के इतिहास में पहली बार कौशल विकास के लिए मंत्रालय बनाया। उन्होंने कहा कि यह मंत्रालय अकेले काम नहीं करेगा, बल्कि दूसरे मंत्रालय भी इसके साथ मिलकर काम करेंगे जिसका नतीजा है कि आज अमेठी के नवोदय विद्यालय में छात्र-छात्राओं की भारी भीड़ इस रोजगार मेले में देखी गई है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय के समन्वय से हो रहे प्रयासों का युवाओं को खासा लाभ मिलेगा। उन्होंने छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। अमेठी के नवोदय विद्यालय में आयोजित रोजगार मेले का उद्घाटन अमेठी जिला पंचायत के अध्यक्ष भाजपा नेता राजेश अग्रहरि ने फीता काटकर किया इस मौके पर उन्होंने बताया कि आज के रोजगार मेले में 350 युवाओं का विभिन्न कंपनियों द्वारा चयन किया गया है जिनको यहां पर नियुक्ति पत्र दिया गया इस मौके पर अमेठी की मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा भी मौजूद थी।

कांग्रेस अध्यक्ष सिर्फ संगठन का पद नहीं एक सोच और विचारधारा: राहुल गांधी

कांग्रेस का अध्यक्ष एक व्यक्ति एक पोस्ट पर बनेगा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी केरल पहुंचे हैं। इस दौरान पत्रकार वार्ता के दौरान राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष पद के सवाल पर खुलकर नहीं बोले। उन्होंने कहा कि समय आने पर पता चलेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सिर्फ संगठन का पद नहीं एक सोच और विचारधारा है। उन्होंने साफ किया कि मैं कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ूंगा। उन्होंने केंद्र सरकार को भी निशाने पर लेकर कहा कि हमारी लड़ाई एक मशीन से है।

राहुल ने कहा कि, आप एक ऐतिहासिक स्थान ले रहे हैं। एक ऐसा स्थान जो भारत के एक विशेष दृष्टिकोण को परिभाषित करती है। कांग्रेस अध्यक्ष सिर्फ एक संगठनात्मक पद नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक पद है। इसकारण मेरी सलाह है कि जो कोई भी कांग्रेस का अध्यक्ष बने, उस यह याद रखना चाहिए कि वह एक विचारधारा, एक विश्वास प्रणाली और भारत की दृष्टि का प्रतिनिधित्व करेगा। उन्होंने साफ किया कि कांग्रेस का अध्यक्ष एक व्यक्ति एक पोस्ट पर बनेगा।

राहुल गांधी ने कहा कि हम एक ऐसी मशीन से लड़ रहे हैं जिसने भारत के संस्थागत ढांचे पर कब्जा कर लिया है। लोगों पर दबाव बनाने और धमकाने के लिए उनके पास असीमित धन है। इसका परिणाम हमने गोवा में देख चुके है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में दो-तीन चार बड़े उद्योगपति हैं, जो सबकुछ कर सकते हैं। एयरपोर्ट चलाने से लेकर कृषि करने तक वहीं कर सकते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के बारे में पूछने पर राहुल ने कहा, कांग्रेस मेरा परिवार है। मेरी कांग्रेस वर्कर्स से बातचीत सीधे होती है, मीडिया के जरिए नहीं होता है। मेरा उनके साथ लिंक है। मैं उन्हें जो बताना होता है सीधे बता देता हूं। उन्होंने कहा कि मुझसे बार-बार यही सवाल किया जा रहा है।'

गुरुवार को देशभर से हुई पीएफआई के सदस्यों की गिरफ्तारी पर राहुल गांधी ने कहा कि कम्युनिजम और हिंसा किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं होनी चाहिए चाहे वह जिस स्तर से हो रही हो। उन्होंने कहा कि बीजेपी-आरएसएस नफरत फैला रही है। भारत की जनता इस बात को समझने लगी है।

राहुल ने कहा कि देश में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ी है। विनाशकारी बेरोजगारी है और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। ये चिंताएं सभी पदयात्रियों को प्रोत्साहित करती रहती हैं और परस्पर जुड़ी हुई भी हैं। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ हम लड़ रहे हैं। राहुल ने भारत जोड़ो यात्रा पर कहा कि यात्रा की सफलता कुछ विचारों पर आधारित है। पहला विचार यह है कि एक भारत अखंड खड़ा है, अपने आप से युद्ध में नहीं है, अपनों से नाराज नहीं है, नफरत से भरा नहीं है।

पीएम मोदी और लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव आज एक मंच पर मिलने वाले

नई दिल्ली । गुजरात के केवडिया में 23 सितंबर से देश के सभी राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन होने वाला है। सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 सितंबर को सुबह 10.30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करने वाले हैं। बिहार में पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री और लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव भी इस कॉन्फ्रेंस से जुड़ने वाले हैं। तेज प्रताप मंत्री बनने के बाद पहली बार बिहार से बाहर निकलेंगे। पीएम मोदी लालू यादव के परिवार के किसी सदस्य से बिहार में सरकार बनने के बाद पहली बार एक मंच पर मिलने वाले हैं। इससे पहले पीएम मोदी तेजस्वी यादव हाल ही में बिहार विधानसभा के कार्यक्रम में मिल चुके हैं। उस समय बिहार में एनडीए की सरकार थी।

गौरतलब है कि दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव की अध्यक्षता में केवडिया में होगी। 23 सितंबर से होने वाले कांफ्रेंस में देशभर के तमाम राज्यों के पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री शामिल हो रहे हैं। इस कांफ्रेंस को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करने वाले हैं।

पर्यावरण मंत्रियों का यह सम्मेलन सहकारी संघवाद की भावना को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इसके पीछे मंशा है कि केंद्र सरकार और राज्य सरकारों में बेहतर नीतियां बनाने में एक-दूसरे का मदद और अधिक तालमेल बनाया जा सके। इस सम्मेलन का मकसद है कि प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करना। इस सम्मेलन का थीम है 'लाइफ-लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट।

ओबीसी कोटे पर हंगामे के बीच कांग्रेस विधायकों को गुजरात विधानसभा से निलंबित किया गया

गांधीनगर। (एजेंसी)।

निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवानी और कांग्रेस के नौ अन्य विधायकों को, बृहस्पतिवार को विधानसभा अध्यक्ष के आसन के समीप आकर ओबीसी आरक्षण पर चर्चा कराने की मांग करने और नारेबाजी करने के लिए सदन से एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। आज गुजरात विधानसभा के वर्तमान सत्र का अंतिम दिन था। कुछ विधायक सदन से बाहर जाने को राजी नहीं हुए तो उन्हें मार्शलों ने बाहर निकाला। विधायकों के निलंबन और बाहर जाने के बाद कांग्रेस के बाकी विधायकों ने कुछ देर के लिए सदन से बहिर्गमन किया।

हालांकि, विधेयकों पर चर्चा के लिए वे कुछ देर बाद पुनः सदन में लौट आए। विधानसभा में जब गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय संबंधी विधेयक पर चर्चा हो रही थी तब कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक बलदेवजी ठाकोर ने अचानक पंचायत निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण देने पर चर्चा करने की मांग उठाई। विधानसभा अध्यक्ष नीमाबेन आचार्य द्वारा ठाकोर की मांग स्वीकार नहीं करने के बाद जिग्नेश मेवानी अध्यक्ष के आसन की ओर दौड़े। उनके पीछे ठाकोर और कुछ अन्य विधायक भी गए जिनमें विमल चूडास्मा, रघु देसाई और विक्रम मदाम भी थे। अध्यक्ष के आसन के पास करीब दस विधायक बैठे थे तभी पार्टी के अन्य विधायकों ने तख्तियां प्रदर्शित करते हुए 'ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दो' के नारे लगाए। इसके अलावा उन्होंने 'जाति आधारित जनगणना' की मांग करते हुए भी नारेबाजी की।

मोहन भागवत के मस्जिद दौरे के बाद आई चीफ इमाम की प्रतिक्रिया, कहा- वह 'राष्ट्र-पिता' और 'राष्ट्र-ऋषि' हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत आज दिल्ली के एक मस्जिद में पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ गोपाल कृष्ण और आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार भी मौजूद रहे। मस्जिद में आरएसएस प्रमुख की अखिल भारतीय इमाम संगठन के चीफ इमाम उमर इलियासी से मुलाकात इस मुलाकात के बाद उमैर इलियासी का भी बयान सामने आ गया है। उमैर इलियासी ने आरएसएस प्रमुख को राष्ट्रपिता और राष्ट्र ऋषि बताया है। अपने बयान में इलियासी ने कहा कि मोहन भागवत जी आज मेरे निमंत्रण पर पधारे। वह 'राष्ट्र-पिता' और 'राष्ट्र-ऋषि' हैं, उनकी यात्रा से एक अच्छा संदेश जाएगा। भगवान की पूजा करने के हमारे तरीके अलग हैं लेकिन सबसे बड़ा धर्म मानवता है। हमारा मानना है कि देश पहले आता है।

मोहन भागवत के मस्जिद दौरे को लेकर खूब चर्चा हो रही है। आरएसएस को मुख्यत हिंदुओं का संगठन माना जाता है। आरएसएस पर विपक्ष कट्टर हिंदुत्व फैलाने का आरोप लगाता है। मोहन भागवत हमेशा यह कहते रहे हैं कि चाहे हम किसी धर्म के मानने वाले हो। लेकिन हम पहले भारतीय हैं और हम सब आपस में मिल जुल कर रहते हैं। इलियासी ने भी साफ तौर पर कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि मोहन भागवत हमारे यहां आए। उनके आने से एक संदेश तो गया कि हम सबको मिलकर हर एक साथ रहना चाहिए। उन्होंने हम सब को एक होने की बात कही है। वह देश की अखंडता को मजबूत करना चाहते हैं और इसलिए हम लोगों को मिल जुल कर रहना चाहिए। इलियासी मोहन भागवत को मदरसा भी लेकर गए थे।

मदरसे में मोहन भागवत ने बच्चों से बातचीत की। मोहन भागवत के जाने से वहां बच्चों में काफी खुशी दिखाई दी। मोहन भागवत ने भी बच्चों से कहा कि आप लोगों को सभी से एक दूसरे से मिल जुल कर रहना है तभी हमारा देश विकास करेगा। देश को ऊपर ले जाने में हम सब हिस्सेदार बनेंगे। उमर अहमद इलियासी ने मदरसे के बच्चों से बातचीत के दौरान ही भागवत को 'राष्ट्रपिता' बताया। हालांकि, भागवत ने तत्काल टोका और कहा कि देश में एक ही राष्ट्रपिता हैं और बाकी सभी 'भारत की संतानें' हैं। आरएसएस के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने कहा कि सरसंघचालक जीवन के सभी तबकों/हिस्सों से आने वाले लोगों से मिलते हैं। यह सामान्य संवाद प्रक्रिया का हिस्सा है।

केंद्र को भ्रष्टाचार के संबंध में 46 हजार से अधिक जन शिकायतें मिलीं : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

साल 2022 के शुरुआती आठ महीनों में केंद्र सरकार को भ्रष्टाचार के संबंध में 46 हजार से अधिक जन शिकायतें मिलीं, जिनमें से सर्वाधिक वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के खिलाफ थीं। एक नयी आधिकारिक रिपोर्ट से यह बात सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'वित्तीय सेवा विभाग (बैंकिंग प्रभाग) को भ्रष्टाचार की श्रेणी में सबसे ज्यादा 14,934 शिकायतें प्राप्त हुईं। वहीं, वित्तीय सेवा विभाग (बीमा प्रभाग) इस मामले में दूसरे स्थान पर रहा और उसे इस साल अब तक 3,306 शिकायतें मिल चुकी हैं।'

रिपोर्ट के अनुसार, भ्रष्टाचार रोधी मामलों के नोडल प्राधिकरण-कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को ऐसी 2,223 शिकायतें हासिल हुईं। ये शिकायतें केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के जरिये मिलीं। सीपीजीआरएएमएस एक ऑनलाइन पोर्टल है, जो नागरिकों को सरकारी विभागों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की सुविधा देता है। अगस्त-2022 के लिए जारी सीपीजीआरएएमएस रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल अकेले भ्रष्टाचार की श्रेणी के तहत 46,627 जन शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इसमें कहा गया है, ÷सीपीजीआरएएमएस पर जन शिकायतों के समाधान की समयसीमा 45 दिन से घटाकर 30 दिन कर दी गई है। पिछले पांच वर्षों में सीपीजीआरएएमएस पोर्टल पर औसतन 19 लाख शिकायतें हासिल हुई हैं।'

रिपोर्ट के मुताबिक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को 1,831 जन शिकायतें मिली हैं, जबकि भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के कार्यालय के खिलाफ 1,784 और खाद्य एवं जन वितरण विभाग के खिलाफ 1,005 जन शिकायतें आई हैं। लंबित शिकायतों के विश्लेषण से पता चलता है कि वित्तीय सेवा विभाग (बैंकिंग प्रभाग) में भ्रष्टाचार श्रेणी की सर्वाधिक 1,088 जन शिकायतों का निपटारा होना बाकी है, जबकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मामले में लंबित जन शिकायतों की संख्या 260 है। रिपोर्ट में बताया गया है कि एक जनवरी से 25 अगस्त 2022 के बीच कुल 7,50,822 जन शिकायतें मिलीं, जिनमें पिछले साल की लंबित 68,528 जन शिकायतें शामिल हैं।

इसमें कहा गया है कि एक जनवरी से 25 अगस्त 2022 के बीच प्राप्त 7,50,822 जन शिकायतों में से 7,27,673 का निपटारा किया जा चुका है, जबकि 91,677 लंबित हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुल लंबित जन शिकायतों में से 2,157 का एक साल से अधिक समय से निपटारा नहीं किया जा सका है। इसमें कहा गया है कि 10,662 जन शिकायतें छह महीने से अधिक समय से, 47,461 जन शिकायतें 30 दिन से अधिक समय से और 44,216 जन शिकायतें 30 दिन से कम से समय से लंबित हैं।

नेपाल में आईएसआई एजेंट लाल मोहम्मद की हत्या, भारत भेजता था नकली नोट, डी गैंग से भी था संबंध

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का एक पहुंचा हुआ एजेंट नेपाल में ढेर कर दिया गया है। एजेंट की पहचान 55 वर्षीय लाल मोहम्मद उर्फ मोहम्मद दर्जी के रूप में हुई है। दावा किया जा रहा है कि यह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम करता था और उसी के इशारे पर भारत में नकली नोटों का खेप भिजवाा था। इसकी हत्या उसी के घर के बाहर हुई है। लेकिन यह हत्या क्यों की गई है, इसका सही कारण अब तक पता नहीं चल सका है। बताया जा रहा है कि कार से उतरते समय ही इसपर हमलावरों ने हमला कर दिया और गोली मारकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं, लाल मोहम्मद के डी गैंग से भी संबंध थे। पाकिस्तान नेपाल के जरिए भारत के खिलाफ लगातार साजिश रच रहा था जिसमें लाल मोहम्मद के भी अहम भूमिका थी। जानकारी के मुताबिक आईएसआई के ही कहने पर लाल मोहम्मद पाकिस्तान और बांग्लादेश से नेपाल के जरिए भारत में नकली करेंसी भेजता था। लाल मोहम्मद आईएसआई को लॉजिस्टिक सपोर्ट में भी काफी मदद करता था। इसके अलावा दाऊद इब्राहिम के साथ भी उसके संपर्क थे और उसके लिए भी काम करता था। उसने नेपाल में अपने साथ कई आईएसआई एजेंटों को भी चरण दी थी। वह जाली नोटों के कारोबार के साथ-साथ ड्रग्स सप्लाई में भी माहिर था। वह काठमांडू के कोठाटार इलाके में रहता था।

जापानी नागरिक की हत्या के मामले में चार आतंकवादियों की मौत की सजा बरकरार

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत ने रंगपुर जिले में एक जापानी नागरिक की 2015 की हत्या के लिए जमातुल मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के चार आतंकवादियों की मौत की सजा को बरकरार रखा है। जस्टिस मोहम्मद मुस्ताफिजुर रहमान और एसएम मसूद हुसैन डोलन की पीठ ने मौत के संदर्भ और अपील याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। पीड़ित कुनियो होशी 23 दिसंबर 2011 को बांग्लादेश आया था। हत्या से पहले, होशी रंगपुर के कौनिया उपजिला के काचु अलुतारी गांव में मवेशियों के लिए विशेष घास की खेती कर रहा था। 3 अक्टूबर 2015 को 66 वर्षीय की उसके खेत के पास गोली मारकर हत्या की गई थी। चार दोषी आतंकवादियों में मसूद राणा उर्फ मामून (21), लिटन मिया उर्फ रफीक (23), सखावत हुसैन (32) और अहसान उल्लाह अंसारी उर्फ बिप्लब (24) शामिल हैं।

उत्तर कोरिया बोला- उसने रूस को कभी भी हथियारों की आपूर्ति नहीं की, अमेरिका अफवाह ना फैलाए

सियोल। रूस-यूक्रेन के बीच दो खेमों में दुनिया बंटी है। ऐसे में उत्तर कोरिया ने गुरुवार को कहा कि उसने रूस को कभी भी हथियार या गोला-बारूद की आपूर्ति नहीं की है और भविष्य में भी रूस को हथियार की आपूर्ति करने की कोई योजना नहीं है। राज्य मीडिया द्वारा जारी एक बयान के अनुसार उत्तर कोरिया ने रूस को हथियार देने के मुद्दे पर सफाई दी है। राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के जनरल ब्यूरो ऑफ इक्विपमेंट के देश के उप महानिदेशक के हवाले से एक बयान में उनका नाम लिए बिना कहा, हाल ही में, यूएस और अन्य शत्रुतापूर्ण ताकतों ने यूएनएससी के 'एक प्रस्ताव के उल्लंघन' के बारे में बात की। डीपीआरके और रूस के बीच 'हथियारों के सौदे की अफवाह' फैलाई। हमने पहले कभी रूस को हथियार या गोला-बारूद निर्यात नहीं किया है और ना ही भविष्य में रूस को हथियार निर्यात करने की योजना होगी। अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि रूस यूक्रेन में उपयोग के लिए उत्तर कोरिया से लाखों रॉकेट और तोपखाने के गोले खरीदने की प्रक्रिया में है। इसे 'संभावित खरीद' कहते हुए, व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने स्पष्ट किया कि 'कोई संकेत नहीं था कि खरीद पूरी हो गई है और निश्चित रूप से कोई संकेत नहीं है कि उन हथियारों का उपयोग यूक्रेन के अंदर किया जा रहा है।' साथ ही उत्तर कोरिया ने गुरुवार के बयान में, संयुक्त राज्य अमेरिका को 'अपना मुंह बंद रखने' और ऐसी अफवाहें फैलाने से रोकने की चेतावनी दी, जो संभावित तौर पर देश की छवि खराब कर रही है। अमेरिका के खुफिया अधिकारियों का मानना था कि रूस भविष्य में उत्तर कोरिया से अतिरिक्त सैन्य उपकरण भी खरीद सकता है। अमेरिकी अधिकारी ने इस मामले में कोई जानकारी नहीं दी थी कि रूस उत्तर कोरिया से कितना हथियार खरीदना चाहता है। हाल ही में उत्तर कोरिया ने रूस के साथ संबंधों को मजबूत करने की मांग की थी और यूक्रेन संकट के लिए अमेरिका को दोषी ठहराया था।

भारत, जापान और जर्मनी यूएनएससी का स्थायी सदस्य बने: जो बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत, जापान और जर्मनी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का स्थायी सदस्य बनने का समर्थन किया है। बाइडन प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि अभी इस दिशा में बहुत काम किया जाना बाकी है। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, हम पहले भी यह मानते थे और आज भी इस बात को मानते हैं कि भारत, जापान और जर्मनी को सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाना चाहिए। बाइडन ने कहा कि उनका मानना है कि वक्त आ गया है, जब संस्था को और समावेशी बनाया जाए, ताकि यह आज के युग की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा कर सके। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद के सदस्य, जिनमें अमेरिका भी शामिल है, उन्हें संयुक्त राष्ट्र चार्टर की रक्षा करनी चाहिए और वीटो से बचना चाहिए।

ईरान में हिजाब के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही महिलाएं

तेहरान। ईरान में हिजाब कानून तोड़ने के आरोप में हिरासत में ली गई महिला की मौत के बाद भड़के विरोध प्रदर्शनों को महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सारी महिलाओं ने अलाव जलाकर अपने हिजाब को जला दिया और अपनी खुशी का इजहार किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उर्मिया, पिरानशहर और करमानशाह में सुरक्षा बलों द्वारा मारे गए तीन प्रदर्शनकारियों में महिला भी शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर करमानशाह में दो नागरिकों और शिराज में एक पुलिस सहायक की हत्या करने का आरोप लगाया। महसा अमिनी की मौत के बाद हिजाब कानूनों और नैतिकता पुलिस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बाद से कम से कम सात लोगों के मारे जाने की खबर है। साकेज की 22 वर्षीय कुर्द महिला की तीन दिनों तक कोमा में रहने के बाद शुक्रवार को अस्पताल में मौत हो गई। वह तेहरान में अपने भाई के साथ थी, जब उसे पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उस पर कानून तोड़ने का आरोप लगाया था, जिसमें बताया गया कि महिलाओं को अपने बालों को हिजाब या हेडस्कार्फ और अपने हाथों और पैरों को ढीले कपड़ों से ढकने की आवश्यकता है। बताया जा रहा हैं कि पुलिस ने अमिनी के सिर पर डंडों से प्रहार किया और उसके सिर को वाहन पर पटक दिया, जिससे अमिनी कोमा में चली गई। पुलिस ने इस बात से इनकार किया है कि उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया था। हालांकि, उसके परिवार ने कहा है कि वह बिल्कुल फिट और स्वस्थ थी। महसा अमिनी की दुखद मौत और यातना और दुर्व्यवहार के आरोपों की तत्काल, निष्पक्ष और प्रभावी जांच एक स्वतंत्र सक्षम प्राधिकारी द्वारा की जानी चाहिए।

ब्रिटेन के विदेशमंत्री क्लेवरली बोले- भारतीय पीएम मोदी ने विश्व मंच पर बनाई पहचान

न्यूयॉर्क। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साफगोई और सटीक जबाव के लिए दुनियाभर में प्रशंसा हो रही है। अब ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व मंच पर प्रभावशाली तरीके से अपनी बात रखने के लिए पहचाना जाता है और रूसी नेतृत्व भी वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति का सम्मान करता है। क्लेवरली ने कहा कि ब्रिटेन उम्मीद करता है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन उन आवाजों पर गौर करेंगे, जो यूक्रेन युद्ध के बीच शांति की मांग को लेकर उठ रही हैं। क्लेवरली रूस-यूक्रेन युद्ध और प्रधानमंत्री मोदी के रूस के राष्ट्रपति से की गई बातचीत से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे। मोदी ने पिछले हफ्ते उज्बेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की 22वीं शिखर बैठक के इतर पुतिन से कहा था, 'आज का युग युद्ध का नहीं है।' क्लेवरली ने एक इंटरव्यू में कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व मंच पर प्रभावशाली तरीके से अपनी बात रखने के लिए पहचाना जाता है। हमें पता है कि रूसी नेतृत्व भी वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति का सम्मान करता है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मामले में प्रधानमंत्री मोदी का यह कदम स्वागत योग्य है। हम उम्मीद करते हैं कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन उन आवाजों पर गौर करेंगे, जो शांति स्थापना व तनाव कम करने की मांग को लेकर उठी रही हैं।

इक्काडोर के शहर क्विटो में बुधवार को पुलिस मुख्यालय के बाहर लोग मारिया बेलेन नामक महिला की मौत के विरोध में इकट्ठा होकर हाथों में मोमबत्ती जलाकर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

भारतीय समुदाय की सुरक्षा को लेकर ब्रिटिश विदेश के आश्वासन का स्वागत: जयशंकर

न्यूयॉर्क। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ब्रिटेन में अपने समकक्ष जेम्स क्लेवरली से मुलाकात के दौरान देश में भारतीय समुदाय की सुरक्षा एवं कल्याण को लेकर अपनी चिंता साझा कर इस संबंध में क्लेवरली से मिले आश्वासन का स्वागत किया। जयशंकर ने ट्वीट किया, ब्रिटिश विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली से शानदार बातचीत हुई। 'रोडमैप 2030' को आगे ले जाने पर चर्चा हुई। दोनों देशों की भागीदारी को गहरा करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि बातचीत में हिंद-प्रशांत, यूक्रेन और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) संबंधी मामलों समेत कई वैश्विक मुद्दे शामिल रहे। जयशंकर ने कहा, ''मैंने ब्रिटेन में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण को लेकर अपनी चिंता जाहिर की। इस संबंध में उनसे मिले आश्वासन का स्वागत करता हूं।''

नॉर्वे के विदेश मंत्री एनीकेन हुइटफेल्ड के साथ अपनी बैठक के बाद, जयशंकर ने कहा कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हमारे मौजूदा सहयोग की सराहना की। नॉर्डिक देशों के साथ हमारी साझेदारी, अफगानिस्तान, यूक्रेन और जलवायु कार्रवाई पर चर्चा हुई। वहीं जयशंकर ने एस्टोनिया के विदेश मंत्री उर्मास रीनसालु से भी मुलाकात कर कहा कि दोनों देशों के दूतावास के खुलने के बाद द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करने पर चर्चा की। यूक्रेन से संबंधित घटनाक्रमों पर विचार आदान-प्रदान किए।'

परमाणु वार्ता के लिए हम तैयार हैं लेकिन क्या अमेरिका वादे पर खरा उतरेगा: ईरान

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने बुधवार को कहा कि उनका देश उसे परमाणु बम हासिल करने से रोकने के लिए किए समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने के लिए गंभीर है लेकिन उन्होंने सवाल किया कि क्या तेहरान किसी भी अंतिम समझौते को लेकर अमेरिकी प्रतिबद्धता पर भरोसा कर सकता है? राष्ट्रपति रईसी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में 2018 में समझौते से अलग होने के अमेरिका के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका पहले ही पिछले समझौते को ''कुचल'' चुका है।

उन्होंने कहा, ''ईरान परमाणु वार्ता में सभी मुद्दों को हल करने को लेकर गंभीर है लेकिन हमारी केवल एक ही इच्छा है = प्रतिबद्धताओं का पालन।'' उन्होंने कहा, ''क्या हम बिना किसी गारंटी और आश्वासन के पूरी तरह यह भरोसा कर सकते हैं कि इस बार वे अपनी प्रतिबद्धताओं पर खरे उतरेंगे?'' रईसी ने इजराइल के संदर्भ में कहा कि ईरान की परमाणु गतिविधियों की एकतरफा जांच की गयी जबकि अन्य देशों का परमाणु कार्यक्रम अब भी गुप्त है। गौरतलब है कि इजराइल ने परमाणु हथियार रखने की न कभी पुष्टि की और न ही इससे इनकार किया है। परमाणु समझौते का विरोध करने वाला इजराइल संयुक्त राष्ट्र के निरीक्षकों के समक्ष ईरान पर अपने परमाणु कार्यक्रम को छिपाने का आरोप लगाता रहा है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी संयुक्त राष्ट्र में अपने भाषण में कहा, ''हम ईरान को कोई परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे।'' साथ ही उन्होंने कहा कि अगर ईरान अपनी प्रतिबद्धताओं का पूरा करता है तो अमेरिका फिर से इस समझौते का हिस्सा बनने के लिए तैयार है। रईसी ने मानवाधिकारों पर ''दोहरे मानदंड'' अपनाने के लिए पश्चिम देशों की निंदा भी की।

उन्होंने इजराइल पर फलस्तीन गाजा पट्टी की नाकाबंदी के जरिए दुनिया की सबसे बड़ी जेल बनाने का आरोप लगाया। रईसी ने संयुक्त राष्ट्र में ऐसे वक्त में भाषण दिया है जब ईरान नाजुक दौर से गुजर रहा है। पश्चिम के प्रतिबंधों ने देश की वित्तीय हालत खराब कर दी है। देश में अर्थव्यवस्था के विरोध में प्रदर्शन तेज हो गए हैं।

अमेरिका के प्रभावशाली सांसदों ने भारत-अमेरिका के बीच मजबूत रिश्तों की वकालत की

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के प्रभावशाली सांसदों ने भारत और अमेरिका के बीच मजबूत रिश्तों की वकालत करते हुए इस दिशा में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के योगदान को रेखांकित किया है। अमेरिकी कैपिटल (संसद परिसर) में बुधवार को आयोजित भारत के स्वतंत्रता दिवस समारोह में पश्चिम वर्जीनिया के डेमोक्रेट सीनेटर जो मैनचिन ने अपने भारत दौरे को याद करते हुए बताया कि 'कैसे उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की महानता को प्रत्यक्ष रूप से देखा और महसूस किया।' मैनचिन ने कहा, ÷अगर भारतीय समुदाय के लोग पश्चिम वर्जीनिया में अपनी सेवाएं देने नहीं आते तो क्षेत्र के अधिकतर ग्रामीण हिस्से में आज स्वास्थ्य देखभाल सुविधा उस तरह उपलब्ध नहीं होती जैसी आज है।÷ उन्होंने कहा कि अमेरिका के ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादातर भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक ही स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। ''अमेरिकन एसोसिशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडियन ओरिजिन'' (एएपीआई) ने ''अमेरिकन हिंदू कोएलिशन और फेडरेशन ऑफ इंडिया एंड इंडियन डायसपोरा स्टडीज'' के साथ मिलकर इस समारोह का आयोजन किया था। समारोह में मिसिसिप्पी की रिपब्लिकन सीनेटर सिंडी हाइड-स्मिथ ने भी भारत और अमेरिका के बीच मजबूत रिश्तों की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ÷ये रिश्ते न केवल चिकित्सा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, बल्कि हर क्षेत्र में दोनों देशों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी हैं।÷ पश्चिम वर्जीनिया की सीनेटर शेली कैपिटो ने उल्लेख किया कि कैसे भारतीय-अमेरिकी समुदाय उनके प्रांत के सांस्कृतिक अनुभव को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वहीं, अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि दोनों देशों के बीच करीबी संबंध हैं, जो दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के नेतृत्व की बदौलत और मजबूत हो रहे हैं।

पुतिन सेना ने यूक्रेन के ज़ापोरिज्जिया शहर में मिसाइल हमले बढ़ाए, दहशत में लोग

कीव (एजेंसी)।

युद्धग्रस्त देश यूक्रेन में रूसी हमले लगातार जारी हैं। 7 महीने से चल रहे इस युद्ध में रूस और आक्रामक हो गया है। पुतिन के लामबंदी के आदेशों के बाद रूस की सेना ने भी मिसाइल हमलों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी कर दी है। यूक्रेन के ज़ापोरिज्जिया शहर में हुए एक के बाद एक रूसी सेना के मिसाइल हमलों ने लोगों को दहला दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक हमलों के कारण शहर में बिजली की आपूर्ति भी बाधित हुई है। साथ ही यूक्रेन की सरकार से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिला है कि मिसाइलों ने बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है। अभी नुकसान का पूरा आंकलन लगाया जा रहा है। आपको बता दें कि रूस इससे पहले भी इस शहर को निशाना बना चुका है। ज़ापोरिज़्ज़िया ओब्लास्ट सैन्य प्रशासन के प्रमुख ने बताया कि ज़ापोरिज्जिया के पास ही रूसी सेना ने पांच मिसाइल हमले किये थे। इन हमलों में बुनियादी सुविधाओं और निजी घरों को निशाना बनाया गया था। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से पहली बार रूस में लामबंदी करने का आदेश दिया है। उन्होंने पश्चिम को चेतावनी दी कि अगर उसने 'परमाणु ब्लैकमेल' किया तो मास्को अपने हथियारों के विशाल भंडार की पूरी ताकत से जवाब देगा। पुतिन ने लामबंदी के पीछे तर्क दिया कि वेस्टर्न वर्ल्ड चाहता है रूस यह युद्ध हार जाये। इस लामबंदी के तहत रिज़र्व बल के तौर पर तीन लाख सैन्य कर्मियों की भर्ती की जाएगी।

महिला न्यायाधीश के खिलाफ विवादित टिप्पणी के लिए माफी मांगने को तैयार हूं: इमरान खान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान बृहस्पतिवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के सामने पेश हुए और एक महिला न्यायाधीश के खिलाफ की गई अपनी विवादित टिप्पणी के लिए माफी मांगने की इच्छा जताई। खान की ओर से अपनी विवादास्पद टिप्पणी के लिए अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश ज़ेबा चौधरी से माफी मांगने की इच्छा व्यक्त करने के बाद, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही स्थगित कर दी।

अदालत महिला न्यायाधीश के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी करने के लिए 69 वर्षीय खान को अवमानना की कार्यवाही में आधिकारिक तौर पर अभ्यारोपित कर सकती थी। राजधानी में 20 अगस्त को एक रैली के दौरान, खान ने अपने सहयोगी शाहबाज़ गिल के साथ की गई बदसुलूकीको लेकर शीर्ष पुलिस अधिकारियों, चुनाव आयोग और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मामला दर्ज कराने की धमकी दी थी। गिल को राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने न्यायाधीश ज़ेबा चौधरी के उस फैसले पर ऐतराज़ जताया जिसमें उन्होंने गिल को दो दिन की हिरासत में भेजने की पुलिस की गुज़ारिश को स्वीकार कर लिया था और कहा था कि उन्हें तैयार रहना चाहिए, क्योंकि उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

भाषण के कुछ घंटों बाद, खान पर अपनी रैली में पुलिस, न्यायपालिका और राज्य के अन्य संस्थानों को धमकाने के आरोप में आतंकवाद रोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया था। न्यायमूर्ति आमिर फारूक ने गिल की पुलिस रिमांड को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए खान के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का फैसला किया था। उच्च न्यायालय ने अदालत को संतुष्ट करने के वास्ते लिखित जवाब देने का खान कोदो बार मौका दिया था, लेकिन वह अदालत को संतुष्ट करने में नाकाम रहे। इसके बाद उच्च न्यायालय ने उन्हें अभ्यारोपित करने की घोषणा की थी।

ब्रिटेन में भय के साये में रह रहे हैं हिंदू परिवार, कई दिनों से बच्चों को स्कूल नहीं भेजा!

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन में क्या हिंदू समुदाय सुरक्षित नहीं है? क्या दुनिया को सामाजिक ताने-बाने को बनाये रखने का संदेश देने वाला ब्रिटेन खुद अशांति के माहौल का सामना कर रहा है? क्या वाकई ब्रिटेन भी अब तुष्टिकरण की राजनीति करने लगा है? क्या ब्रिटेन में भय के साये में रह रहे हिंदू परिवारों ने वाकई कई दिनों से अपने बच्चे स्कूल नहीं भेजे हैं? क्या दो जगहों से शुरू हुए हिंदुओं के खिलाफ हमले अब पूरे ब्रिटेन में पहुँचाने की तैयारी है? क्या ब्रिटेन में बरसों से रह रहे हिंदू समुदाय के खिलाफ कोई बहुत बड़ी साजिश रची जा रही है? यह सब सवाल उठ खड़े हुए हैं ब्रिटेन में घटी हालिया सांप्रदायिक घटनाओं से। हम आपको बता दें कि लेस्टर की हालिया घटना के बाद अब बर्मिंघम में हिंदू मंदिर के बाहर जिस तरह स्थानीय मुस्लिम समुदाय ने हंगामा किया उसको देखते हुए वहां रह रहे हिंदुओं को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। इसी को देखते हुए भारत सरकार भी सक्रिय हुई है और विश्व हिंदू परिषद ने भी ब्रिटिश प्रधानमंत्री लिज ट्रस को पत्र लिखा है। पत्र में विश्व हिन्दू परिषद ने वहां हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा उन्हें निशाना बनाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। इस बीच, भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ब्रिटेन में अपने समकक्ष जेम्स क्लेवरली से मुलाकात के दौरान भारतीय समुदाय की सुरक्षा एवं कल्याण को लेकर अपनी चिंता साझा की और इस संबंध में क्लेवरली से मिले आश्वासन का स्वागत किया है।

हम आपको बता दें कि ब्रिटेन में हुई एक ताजा घटना में वेस्ट मिडलैंड्स शहर के स्मेथविक इलाके के स्पॉन लेन स्थित दुर्गा भवन मंदिर के बाहर स्थानीय मुस्लिमों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन के जो वीडियो सामने आये हैं उसमें दिख रहा है कि नकाबपोश लोगों का समूह चिल्ला रहा है और सामान फेंकता दिखायी दे रहा है। वीडियो में पुलिस अधिकारी मंदिर की बाड़ लांघने की कोशिश कर रहे इन नकाबपोशों में से कुछ को पकड़ कर खींचते हुए दिख रहे हैं। इस बीच, वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने एक बयान में जानकारी दी है कि स्मेथविक में विरोध प्रदर्शन के बाद, कुछ मामूली अव्यवस्था हुई और एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने अपने बयान में कहा है कि हमने स्पॉन लेन स्थित मंदिर के पास पहले से पुलिस बल की तैनाती की थी जहां हमारे कुछ अधिकारियों की ओर पटाखे फेंके गए। शुक्र है कि इसमें कोई भी घायल नहीं हुआ। पुलिस ने कहा कि वह इस घटना में कुछ कारों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना की पड़ताल कर रही है। हम

आपको बता दें कि विरोध प्रदर्शन का आह्वान कथित तौर पर स्थानीय मुस्लिम समूहों द्वारा किया गया था। माना जाता है कि परम शक्ति पीठ की संस्थापक साध्वी ऋतंभरा के ब्रिटेन दौरे का स्थानीय मुस्लिम समूहों द्वारा विरोध किया जा रहा था। इस विरोध को देखते हुए स्थानीय सैंडवेल पुलिस ने ट्वीट किया कि जिस व्यक्ति का विरोध किया जा रहा है उसका कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है और उक्त व्यक्ति ब्रिटेन में नहीं है। हम आपको बता दें कि बर्मिंघम में संघर्ष ऐसे समय हुआ है जब पिछले महीने के अंत में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के मद्देनजर पूर्वी ब्रिटेन के लेस्टर शहर में हिंदू और मुस्लिम समूह आपस में भिड़ गए थे।

संपादकीय

अदालत ने यह भी कहा है कि टीवी एंकर अपने चैनल की टीआरपी बढ़ाने के लिए उटपटांग बातें करते हैं, वक्ताओं का अपमान करते हैं, ऐसे लोगों को बोलने के लिए बुलाते हैं, जो उनकी पनपसंद बातों को दोहराते हैं। अदालत ने एंकरों की खिंचाई करते हुए यह भी कहा है कि वे लोग वक्ताओं को कम मौका देते हैं और अपनी दाल ही दलते रहते हैं।

हमारे टीवी चैनल कैसे सुधरें ?

(लेखक-ईएमएस/डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

हमारे टीवी चैनलों की दशा कैसी है, इसका पता सर्वोच्च न्यायालय में आजकल चल रही बहस से चल रहा है। अदालत ने सरकार से मांग की है कि टीवी चैनलों पर घृणा फैलानेवाले बयानों को रोकने के लिए उसे सख्त कानून बनाने चाहिए। पढ़े हुए शब्दों से ज्यादा असर, सुने हुए शब्दों का होता है। टीवी चैनलों पर उंडेली जानेवाली नफरत, बेइज्जती और अश्लीलता करोड़ों लोगों को तत्काल प्रभावित करती है। अदालत ने यह भी कहा है कि टीवी एंकर अपने चैनल की टीआरपी बढ़ाने के लिए उटपटांग बातें करते हैं, वक्ताओं का अपमान करते हैं, ऐसे लोगों को बोलने के लिए बुलाते हैं, जो उनकी पनपसंद बातों को दोहराते हैं। अदालत ने एंकरों की खिंचाई करते हुए यह भी कहा है कि वे लोग वक्ताओं को कम मौका देते हैं और अपनी दाल ही दलते रहते हैं। असलियत तो यह है कि आजकल भारत के लगभग सारी टीवी चैनल अखाड़ेबाजी में उलझे हुए हैं। एक-दो चैनल अपवाद हैं लेकिन ज्यादातर चैनल चाहते हैं कि उनके वक्ता एक-दूसरे पर चीखे-चिल्लाएं और दर्शक लोग उन चैनलों से चिपके रहें। हमारे चैनलों पर आजकल न तो विशेषज्ञों को बुलाया जाता है और न ही निष्पक्ष बुद्धिजीवियों को! पार्टी-प्रवक्ताओं को बुलाकर चैनलों के मालिक अपना स्वार्थ सिद्ध करने में लगे रहते हैं। इसीलिए हमारे टीवी चैनलों को, जैसे अमेरिका में पहले कहा जाता था, 'इडियट बॉक्स' याने 'मूरख बक्सा' कहा जाने लगा है। भारत के विधि आयोग ने सुझाव दिया था कि भारतीय दंड संहिता में एक नई धारा जोड़कर ऐसे लोगों को दंडित किया जाना चाहिए, जो टीवी चैनलों से घृणा, अश्लीलता, अपराध, फूहड़पन और सांप्रदायिकता फैलाते हैं। सर्वोच्च न्यायालय और विधि आयोग की यह चिंता और सलाह ध्यान देने योग्य है लेकिन उस पर ठीक ढंग से अमल होना लगभग असंभव है। टीवी पर बोला गया कौनसा शब्द उचित है या अनुचित, यह तय करना अदालत के लिए आसान नहीं है और अत्यंत समयसाध्य है। कोई कानून बने तो अच्छा ही है लेकिन उससे भी ज्यादा जरुरी यह है कि टीवी चैनल खुद ही आत्म-संयम का परिचय दें। पढ़े-लिखे और गंभीर लोगों को ही एंकर बनाया जाए। उन्हीं लोगों को बहस के लिए बुलाएँ, जो विषय के जानकार और निष्पक्ष हों। पार्टी-प्रवक्ताओं के दंगलों से बाज आएं। यदि उन्हें बुलाया जाए तो उनके बयानों को पहले रेकार्ड और संपादित किया जाएं। एंकरों को सवाल पूछने का अधिकार हो लेकिन अपनी राय थोपने का नहीं। हमारे टीवी चैनल भारतीय लोकतंत्र के सबसे मजबूत स्तंभ हैं। यदि इनकी हालत जैसी है, वैसी ही रही तो हमारा लोकतंत्र खोखला भी हो सकता है।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

मोहन, " मैं तुम्हारे सामने वाली इमारत पर बिना हांफे चढ़ सकता हूं।" सोहन, "नहीं चढ़ सकते।" मोहन, "अच्छा, अगर चढ़ जाऊं तो तुम मुझे क्या दोगे ?" सोहन, "धक्का।"

□ □ □

टिकट चैकर ने टिकट मांगी तो आदमी बोला मेरे पास टिकट नहीं।
चैकर ने पूछा, "अगर टिकट नहीं तो तुम सफर कैसे कर रहे हो ?"
जवाब मिला, "जैसे बैरंग लिफाफा करता है।"

□ □ □

सेठ किफायत दास अपने बेटे की फिजूलखर्ची से काफी परेशान थे। परेशान होकर एक दिन उन्होने कह ही दिया, "अब मैं तुम्हें एक भी पैसा नहीं दूंगा, समझे ?"
बेटा बोला, "मगर क्यों डैडी ?"
सेठ, "इसलिए कि अब तुम मेरे लिए मर चुके हो।"
बेटे ने सिर झुका कर मायूसी से कहा, "तो अंतिम संस्कार के लिए ही कुछ रूपये दे"

□ □ □

मरीज (डॉक्टर से)- मुझे अजीब सी बीमारी हो गई है ... जब मेरी बीवी बोलती है तो मुझे कुछ सुनाई नहीं देता।
डॉक्टर- ये बीमारी नहीं खुदा की नियामत है।

'भारतीयता ' के पावन पथ पर अग्रसर 'भारत जोड़ो यात्रा'

(लेखक- तनवीर जाफ़री)

यानी एक समय में तीन सौ यात्रियों के समूह को शामिल किये जाने की योजना है। जबकि यात्रा की शुरुआत में ही हज़ारों और कहीं कहीं तो लाखों लोग पैदल चलते देखे जा रहे हैं। इनमें बच्चे, महिलायें, स्कूल कॉलेज के छात्र, बेरोज़गार व सभी धर्मों व समुदायों के लोग बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। 'भारत जोड़ो यात्रा' में समर्थकों की कई कई किलोमीटर लंबी भीड़ के दृश्य देखे जा रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कन्याकुमारी से जम्मू - कश्मीर तक की जाने वाली लगभग 3700 किमी की पदयात्रा अपने पहले चरण में पूरी सफलता, जनसमर्थन, हर्षोल्लास व भरपूर उत्साह के साथ तमिलनाडु से होकर केरल से गुज़रती हुई आगे बढ़ रही है। गत 7 सितंबर को शुरू हुई यह यात्रा 12 राज्यों व दो केंद्र शासित प्रदेशों से गुज़रते हुये अनुमानतः 150 दिन में कश्मीर पहुंचेगी। इस पदयात्रा का नेतृत्व व संचालन कांग्रेस पार्टी द्वारा किये जाने के बावजूद इसे अनेक ग़ैर कोंग्रेसी राजनैतिक दलों व अनेक ग़ैर सरकारी संगठनों व उनके प्रमुख नेताओं का भी समर्थन हासिल है। स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेज़ों के विरुद्ध अग्रणी भूमिका निभाने वाली कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में यह यात्रा ऐसे समय में भी हो रही है जबकि कांग्रेस की सर्वधर्म समभाव की गांधीवादी नीतियों से हमेशा नफ़रत करने वाली शक्तियों द्वारा बड़े ही सुनियोजित व षड़यंत्रकारी तरीक़े से कांग्रेस को कमज़ोर करने की कोशिश की जा रही है। देश में साम्प्रदायिक उन्माद को बढ़ावा देने के साथ साथ 'कांग्रेस मुक्त भारत' का नारा दिया जा रहा है। परन्तु भारत को धर्म, संप्रदाय, जाति, भाषा व रंगभेद आदि के मतभेदों से मुक्त कराने तथा देश के लोगों में भारतीयता का भाव जगाने 'व देश को एक करने की मुहिम के अंतर्गत की जाने वाली इस यात्रा की भरपूर सफलता व रास्ते में मिल रहे समर्थन ने साम्प्रदायिकतावादी शक्तियों के होश उड़ा कर रख दिये हैं। यात्रा की अपार सफलता का अंदाज़ा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि इस यात्रा में निर्धारित योजनानुसार राहुल गाँधी सहित एक सौ भारत यात्री हैं जो कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल चलेंगे। जबकि एक सौ राज्य यात्री जो अपने अपने राज्यों में पूरी यात्रा में साथ होंगे व इनके अतिरिक्त एक सौ स्थानीय अतिथि यात्री शामिल होने की योजना है। यानी एक समय में तीन सौ यात्रियों के समूह को शामिल किये जाने की योजना है। जबकि यात्रा की शुरुआत में ही हज़ारों और कहीं कहीं तो लाखों लोग पैदल चलते देखे जा रहे हैं। इनमें बच्चे, महिलायें, स्कूल कॉलेज के छात्र, बेरोज़गार व सभी धर्मों व समुदायों के लोग बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। 'भारत जोड़ो यात्रा' में समर्थकों की कई कई किलोमीटर लंबी भीड़ के दृश्य देखे जा रहे हैं।

यात्रा के दौरान राहुल गांधी भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की विचारधारा पर लगातार हमलावर हैं। यात्रा में जगह जगह राहुल बता रहे हैं कि भाजपा व संघ किस तरह देश में हिंसा, नफ़रत और नाराज़गी फैला रहे हैं। वे बता रहे हैं कि किस तरह महात्मा गांधी ने एक महाशक्ति को हराने के लिए अहिंसा का इस्तेमाल किया था और आज हमारी 'भारतीयता ' रुपी वही शक्तियां भाजपा और संघ की विचारधारा से कमज़ोर हो रही हैं। ज़ाहिर है सत्ता व संघ पर किये जा रहे इस आक्रमण से घबराये हुये लोग जनता को राहुल के इन आरोपों का जवाब देने के

बजाये 'खिसियानी बिल्ली खंबा नोचे' की कहावत को चरितार्थ करते हुये कभी यह दुष्प्रचारित करते हैं कि यह 'फ़ाइव स्टार प्रबंधन' वाली यात्रा है। कभी एक केंद्रीय मंत्री अपनी अल्प जानकारी के चलते या जानबूझकर यह बोलती हैं कि राहुल ने यात्रा तो कन्याकुमारी से शुरू की परन्तु वे विवेकानंद रॉक स्थित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने नहीं गये। जबकि राहुल वहां गये भी थे। हद तो यह है कि देश के गृह मंत्री एक सभा में गांधी द्वारा यात्रा के दौरान पहनी गयी टी शर्ट की क़ीमत तक बताने लगते हैं। कोई कहता है कि यह राहुल को स्थापित करने की यात्रा है तो कोई इसे कांग्रेस को पुनर्जीवित करने की कोशिश बता रहा है। कभी इस यात्रा को भी संप्रदायिककता का रंग देने के लिये यात्रा के दौरान राहुल के एक पादरी से मिलने पर सवाल उठाया जाता है। कोई कहता है कि राहुल को यह यात्रा पाकिस्तान में करनी चाहिये, आदि आदि। परन्तु यात्रा से घबराये व भयभीत लोगों में से कोई भी राहुल गांधी द्वारा यात्रा के दौरान उठाये जाने वाले सांप्रदायिकता, जातिवाद, अराजकता, पूंजीवादी लूट, बेरोज़गारी, मंहगाई, शिक्षा स्वास्थ्य, नोटबंदी से चौपट हुई देश की अर्थव्यवस्था, देश के संवैधानिक ढांचे को कमज़ोर करने, सरकारी संस्थाओं पर नियंत्रण व उनके दुरूपयोग, विपक्ष को भय या लालच के बल पर समाप्त करने के षड़यंत्र, मुख्य धारा के टी वी चैनल्स पर क़ब्ज़ा जैसे अनेक महत्वपूर्ण व जनसरोकारों से जुड़े सवालों का जवाब देने की स्थिति में नहीं है। कांग्रेस का मानना है कि देश को जोड़ने वाले ऐसे कार्यक्रमों की बहुत सख़्त ज़रूरत है क्योंकि आजकल विघटनकारी शक्तियां प्रबल हैं और केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा इन शक्तियों को संरक्षण मिला हुआ है। पार्टी के अनुसार भारत इस समय एक ऐसे ख़तरनाक दौर से गुजर रहा है जबकि विघटनकारी व सांप्रदायिक ताक़तें सत्ता संरक्षण में इसे धर्म के आधार पर तोड़ने का व्यापक अभियान चला रही हैं। कांग्रेस के मुताबिक़ चूंकि पार्टी ने अंग्रेज़ो के विरुद्ध संघर्ष कर देश को आज़ाद कराया था इसलिये देश पर आये वर्तमान संकट के दौर में कांग्रेस पार्टी मूक दर्शक बनकर नहीं रह सकती। महात्मा गाँधी ने भी अहमदाबाद से दांडी तक 241 किलोमीटर की पद यात्रा की थी और अंग्रेज़ों द्वारा बनाया गया नमक क़ानून तोड़ने में सफल हुए थे । चंद्रशेखर ने भी 6 जनवरी 1983 से 25 तक पदयात्रा की थी। सभी यात्राओं के अलग अलग लक्ष्य थे। बीजेपी नेता लाल कृष्ण आडवाणी ने भी 1990 में राम रथ यात्रा के नाम से रथ यात्रा निकाली थी। यह यात्रा 25 सितंबर 1990 को गुजरात के सोमनाथ से शुरू हुई थी और जब वह अपने आख़िरी पड़ाव पर बिहार पहुंची तो बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने समस्तीपुर ज़िले में यात्रा को रोककर आडवाणी को गिरफ़्तार कर लिया था। इस यात्रा के दौरान देश में अनेक स्थानों पर साम्प्रदायिक दंगे हुये थे। इस राजनैतिक व साम्प्रदायिक यात्रा के परिणामस्वरूप भाजपा को हुये राजनैतिक लाभ का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जहाँ रथ यात्रा से पूर्व 1985 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को लोकसभा में मात्र 2 सीटें मिली थीं वहीँ यात्रा के बाद 1991 में हुये चुनाव में भाजपा ने 120 सीटें हासिल कीं। आजतक भाजपा उसी खांटी हिंदूवादी राजनीति को ही अपना मुख्य जनाधार मानते हुये आगे बढ़ रही है।

इसी वातावरण में कांग्रेस के संरक्षक व संस्थापकों में रहे नेहरू-फ़िरोज़ गाँधी परिवार के सदस्य राहुल गांधी ने देश में सांप्रदायिकता के विपरीत भारतीयता की भावना जागृत करने और सत्ता का ध्यान धर्म जाति से हटाकर जनता और देश की मूल समस्याओं की ओर आकर्षित करने के लिये भारत जोड़ो यात्रा जैसा दूरगामी क़दम उठाया है। भारत के इतिहास में राहुल गाँधी के नेतृत्व में चल रही इस यात्रा को स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा। इतिहास याद रखेगा कि जब देश सांप्रदायिकता व जातिवाद की आग में झुलस रहा था तब नेहरू ख़ानदान के चश्म-ए-चिराग़ इंदिरा गाँधी के पोते और राजीव गांधी के बेटे राहुल गांधी ने 3700 किलोमीटर पैदल चलकर देश को भारतीयता के सूत्र में पिरोने की कोशिश की थी। 'भारतीयता' के पावन पथ पर अग्रसर 'भारत जोड़ो यात्रा' निश्चित रूप से अनेकता में एकता की विशेषता रखने वाले भारत को ही प्रतिबिम्बित कर रही है।

विचार मंथन

'अलविदा राजू' थोड़ी हंसी बचा कर रखना !

(लेखक - प्रभुनाथ शुक्ल)

हंसाने वाला ही नहीं रहा तो दुनिया हंसेगी कैसे। राजू श्रीवास्तव लोगों को हंसाते-हंसाते रुला कर चले गए। अस्पताल में 42 दिन के लंबे संघर्ष के बाद उन्होंने जिंदगी को अलविदा कह दिया। राजू का जाना पूरी हंसी की दुनिया का खामोश होना है। एक ऐसे दौर में राजू श्रीवास्तव का चले जाना बेहद पीड़ादायक है। जब लोग डिप्रेशन जैसी बीमारी का शिकार हो रहे हैं। दौड़ती-भागती जिंदगी में जीवन में जब हंसी का कोई ठिकाना ही नहीं है।लोगों के चेहरे पर थकान के सिवाय मुस्कान दिखती ही नहीं। जिंदगी इतनी तेज भाग रही है कि लोगों की हंसती-खेलती दुनिया ही गायब है। ऐसे दौर में राजू एक कॉमेडियन होते हुए भी डिप्रेशन के मरीजों के लिए भगवान थे।

राजू श्रीवास्तव एक ऐसे परिवार से आते हैं जहां साहित्य और कला को खुली सांस मिली। उनके पिता रमेश श्रीवास्तव एक कवि थे। उन्हें लोग बलई काका के नाम से भी पुकारते थे। राजू श्रीवास्तव उन्हीं बलई काका के बेटे थे। उनका जन्म कानपुर में 1963 में हुआ। 58 साल की उम्र में दुनिया को हंसाने वाला शख्स रुलाता चला गया। कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव को 10 अगस्त को दिल का दौरा पड़ा था। उन्हें इलाज के लिए एम्स में भर्ती कराया गया था। सोशलमीडिया पर बीच में ही राजू श्रीवास्तव के निधन की खबरें वायरल हुई थीं। लेकिन परिवार के लोगों ने इसका खंडन किया थ। आज वह मनहूस खबरें सच साबित हुईं। राजू श्रीवास्तव कॉमेडियन की दुनिया में अपनी अच्छी खासी जगह बना ली। उन्होंने फिल्मों में भी काम किया। अमिताभ बच्चन के बहुत तगड़े फैन थे।

कॉमेडी की दुनिया में उन्हें अमिताभ बच्चन की मिमिक्री से शोहरत मिली। राजू श्रीवास्तव उस दौर में लोगों के दिलों पर राज करते थे जब संचार के इतने तगड़े माध्यम नहीं हुआ करते थे। लोगों के बीच पहुंचने का रेडियो और दूरदर्शन एकमात्र सहारा था। उस दौर में टी-सीरीज के मालिक गुलशन कुमार ने राजू श्रीवास्तव का ऑडियो कैसेट जारी किया था। राजू की कॉमेडी में गजोधर और मनोहर भैया कालजयी पात्र होते थे। राजू की कॉमेडी में एक अजीब तरह का खिंचाव और लगा था। उनकी कॉमेडी लोगों को बेहद पसंद आती थी। राजू श्रीवास्तव हमारे बीच भले नहीं रहे, लेकिन हंसी की दुनिया के कालजयी पात्र गजोधर और मनोहर भईया हमें याद आएंगे।

सत्य प्रकाश श्रीवास्तव यानी राजू ने द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज से काफी सुर्खियां बटोरी। लाफ्टर चैलेंज के जरिए उनकी जिंदगी में नया मोड़ आया। शुरुआती दौर में उन्होंने आर्केस्ट्रा में काम किया। एक कार्यक्रम उन्हें पारिश्रमिक के रूप में 100 पहली बार मिले तो वे बेहद खुश हुए। साल 1982 में राजू श्रीवास्तव मुंबई की तरफ रुख किया। उन्होंने सलमान खान की फिल्म मैंने प्यार किया, बाजीगर, मुंबई टू गोवा, आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया जैसी फिल्मों में भी काम किया। राजू श्रीवास्तव की प्रसिद्धि जब अपने चरम पर थी तो उस दौरान कॉमेडियन कपिल शर्मा का शो भी लोगों के दिलों पर राज कर रहा था। कपिल शर्मा ने भी राजू श्रीवास्तव को कई बार बुला कर शो किया। देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भी मिमिक्री करते थे। राजू श्रीवास्तव बीबीसी के अपने एक इंटरव्यू में कबूल किया था कि पढ़ाई के दौरान जब वे कॉपी करते थे तो शिक्षक उन्हें खूब डाटते थे। राजू बेहद सामान्य परिवार से होते हुए भी हंसी की दुनिया में अपना स्थान बनाने में कामयाब हुए।

राजू श्रीवास्तव कॉमेडी की दुनिया में आने से पहले फ़िल्में खूब देखते थे और फिल्म दिखने के बाद नायकों की आवाज निकालते थे। उसी तरह बोलने का प्रयास करते थे। फिल्मों के बेताज बादशाह अमिताभ बच्चन उनके पसंदीदा हीरो थे। दीवार और शोले पिक्चर देखकर ही वह अमिताभ बच्चन की मिमिक्री करने लगे थे। धीरे-धीरे उनकी मिमिक्री को जब लोग पसंद करने लगे तो त्यौहारों पर होने वाले आयोजनों पर राजू श्रीवास्तव को बुलाया जाता था और वे फिल्म अभिनेताओं की मिमिक्री करते थे। बाद में राजू श्रीवास्तव कॉमेडी दुनिया के बेताज बादशाह बन गए।

(आहट: 2024 की)

आत्मचिन्तन को मजबूर हर राजनीतिक दल....?

(लेखक-ओमप्रकाश मेहता)

यद्यपि अभी अगले लोकसभा चुनावों में लगभग बीस महीनों की देरी है, इससे पहले देश में करीब डेढ़ दर्जन राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होना है, किंतु देश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी सहित सभी राजनीतिक दल अभी से सतर्क और सचेत हो गए है, सत्तारूढ़ भाजपा सहित कुछ दलों ने पिछले चार वर्षों के अपने कार्यों पर जहां आत्मचिंतन शुरू कर दिया है, वहीं प्रमुख प्रतिपक्षी दल कांग्रेस सहित कुछ दलों ने तो जन समर्थन जुटाने के प्रयास भी शुरू कर दिये है, प्रतिपक्षी दलों के एक घड़े ने तो अभी प्रतिपक्षी दलों को एकजुट होकर "मोदी की आँधी" का सामना करने की कोशिशें भी शुरू कर दी है, इस घड़े के अगुवा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार है जो 2024 के बाद की सुनहरी संभावनाओं को अपने में समेटे हुए है। यद्यपि पिछले साढ़े आठ सालों से देश पर राजकर रही भारतीय जनता पार्टी फिलहाल इतनी सहज दिखाई नहीं दे रही जितनी कि वह 2019 के चुनावों के पूर्व परिलक्षित हो रही थी, इसकी मुख्य वजह हाल ही में पार्टी द्वारा कराए गए सर्वेक्षण के नतीजों से निराशा है, इन नतीजों में यह सामने आया है कि पांच साल पूर्व मोदी जी के नेतृत्व में 'महाजीत' की जो "सुनिश्चितता" थी, वह आज काफी प्रतिशत कम हो गई है, क्योंकि पिछले साढ़े आठ सालों में यह सरकार जनविश्वास में इजाफा नहीं कर पाई, बल्कि जनविश्वास के प्रतिशत में काफी कमी परिलक्षित हुई है, किंतु इसके बावजूद भाजपा अपनी पुनः महाविजय के प्रति आश्वस्त इसलिए है क्योंकि फिलहाल उससे मुकाबले के लिए कोई सशक्त प्रतिपक्षी दल मैदान में नही है, कांग्रेस सहित सभी प्रतिपक्षी दल अपनी-अपनी जुगाड़ में व्यस्त है। जहां तक कांग्रेस के अलावा अन्य प्रतिपक्षी दलों का सवाल है उसके नेता अपनी जमीन बचाने के बजाए, भविष्य के सुनहरें सपनों में खोये है, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी जहां प्रतिपक्ष को एकजुट करने में जुटे है, वहीं दिल्ली की आप पार्टीके अरविंद केजरीवाल तथा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी अपनी-अपनी जुगाड़ में अपनी साख बचाने में जुट है, ये सभी अपने आपको भावी प्रधानमंत्री मानकर चल रहे है। इस बार चुनावों के बीस माह पूर्व की सबसे खास और अहम् बात यही है कि इस बार भाजपा अपने तीसरे कार्यकाल के लिए उतनी आश्वस्त व निश्चिंत दिखाई नहीं दे रही, जितनी की वह 2019 के चुनावों के पूर्व दिखाई दे रही थी, अब वह जाहिरतौर पर तो नहीं किंतु मन ही मन यह भी स्वीकारने लगी है कि मोदी जी के नेतृत्व की 'चमक' में पहले की अपेक्षा अब कुछ कमी आई है, इसका कारण वह मोदी सरकार के कुछ विवादित फैसले और आम वोटर की उपेक्षा स्वीकार करती है, किंतु वह इस सच्चाई को लेकर आश्वस्त है कि फिलहाल भाजपा के सामने बिखरे विपक्ष की कोई चुनौती नहीं है और भाजपा का पूरा प्रयास होगा कि प्रतिपक्षी दल कभी भी किसी के भी नेतृत्व में एकजुट नहीं हो पाए और जब चुनावों तक प्रतिपक्ष बिखरा रहेगा तो भाजपा को फिर कोई खतरा नही है। हाँ.... वह अब भविष्य में लिए जाने वाले सरकारी व संगठनात्मक फैसलों के प्रति अवश्य सतर्क हो गई है.... और इसीलिए वह अभी से पूरी तरह चुनावी 'मूड' और 'मोड' दोनों में आई है। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि प्रतिपक्ष तथा समय की इतनी चुनौतियों के बावजूद भाजपा ने अपने "चक्रवर्ती" बनने के प्रयासों में कोई कमी नहीं की है, देश के सभी राज्यों में अपनी सरकार गठित करने के उसके प्रयास जारी है, इसीलिए अब उसने दक्षिण भारत की ओर रूख किया है, वह मानती है कि "मोदी है तो यह भी मुमकिन है", क्योंकि देश के दक्षिणी राज्यों में भी मोदी की लोकप्रियता कम नहीं हैं? वैसे यह भी यथार्थ है कि भाजपा ने अब "वादों" पर विश्वास करना कम कर दिया है, इसकी अपेक्षा उसने अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने का प्रयास किया है, जिससे आम वोटर उस पर पूरी तरह विश्वास कर सके और भाजपा ने अब यह बताना भी शुरू कर दिया है कि उसे जो देश में बहुमत के साथ सत्ता का मौका मिला है वह चुनावी वादों या उनकी पूर्ति से नहीं बल्कि प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने से मिला है, वह इसी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाकर अगला "रण" जीतना चाहती है और इसी के बलबुते पर उत्तर भारत के बाद दक्षिण भारत की 129 सीटों पर फतह करना चाहती है।

बॉलीवुड में काम कर चुके इस पाकिस्तानी अभिनेता पर आया अमीषा पटेल का दिल!

बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल पिछले चार साल से किसी भी फिल्म में नजर नहीं आई हैं, लेकिन वह जल्द ही सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने वाली हैं। अभिनेत्री अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'गदर' के दूसरे भाग में अभिनय करती दिखेंगी। इतने लंबे समय से फिल्मों से दूर रहने के बावजूद भी अमीषा की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। अभिनेत्री लाइमलाइट में रहने का कोई न कोई मौका ढूंढ लेती हैं। आमतौर पर अमीषा अपनी दिलकश तस्वीरें और वीडियोज की वजह से सोशल मीडिया पर ट्रेंड करती थीं, लेकिन पिछले कुछ दिनों से वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में बनी हुईं हैं। दरअसल, हाल ही में खबर आई है कि अभिनेत्री, किसी पाकिस्तानी अभिनेता को डेट कर रही है। अमीषा की डेटिंग की खबरें इस समय टॉक ऑफ़ द टाउन बनी हुई हैं। चलिए जानते हैं किस पाकिस्तानी अभिनेता को डेट कर रही हैं अभिनेत्री?

पाकिस्तानी अभिनेता के साथ दिखीं अमीषा की रोमांटिक केमिस्ट्री

अमीषा पटेल ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में वह अपनी फिल्म क्रांति के गाने 'दिल में दर्द सा जगा है' पर पाकिस्तानी अभिनेता इमरान अ?बास के साथ कोजी होती नजर आ रही हैं। दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री का अंदाजा आप वीडियो देखकर लगा सकते हैं। अमीषा और इमरान का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा वायरल हो रहा है, जिसके बाद दोनों के रिश्ते में होने की अफवाहें उड़ने लगी हैं। हालाँकि, दोनों में से किसी ने भी डेटिंग की खबरों की पुष्टि नहीं की हैं। बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं है जब अमीषा और इमरान एक साथ नजर आ रहे हैं। इससे पहले भी दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया है।

कौन हैं इमरान अब्बास?

इमरान अब्बास एक पाकिस्तानी अभिनेता, निर्माता और पूर्व मॉडल हैं। अभिनेता ने फिल्म क्रिएचर 3डी से बॉलीवुड में कदम रखा था। फिल्म में अभिनय के लिए उन्हें बेस्ट मेल डेब्यू श्रेणी के लिए फिल्मफेयर अवार्ड में नामांकित किया गया था। इसके अलावा साल 2016 में, उन्होंने करण जौहर की रोमांटिक फिल्म ऐ दिल है मुश्किल में केमियो किया था।

फैमिली एंटरटेनर बनकर आयी माधुरी दीक्षित

पहली भारतीय अमेज़ॅन ओरिजिनल फिल्म माजा मा का ट्रेलर 22 सितंबर को रिलीज हुआ। बॉलीवुड की धक धक क्वीन माधुरी दीक्षित को फिल्म में नए अवतार में देखा जा रहा है। फिल्म में माधुरी के साथ-साथ गजराज राव, ऋत्विक भौमिक, बरखा सिंह, सृष्टि श्रीवास्तव, रजित कपूर, सिमोन सिंह, शीबा चड्ढा, मल्हार ठाकर और निनाद कामत हैं। अमेज़न प्राइम वीडियो के आधिकारिक ट्विटर हैंडल ने ट्रेलर साझा किया। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा एक शादी, एक रहस्य और दो परिवार जो अलग-अलग हैं! क्या इस त्योहारी सीजन में कोई बेहतर हो सकता है? ट्रेलर अभी बाहर है! #MajaMaOnPrime 6 अक्टूबर। लियो मीडिया कलेक्टिव और अमृतपाल सिंह बिंद्रा द्वारा निर्मित, आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित और सुमित बथेजा द्वारा लिखित, माजा मा का प्रीमियर विशेष रूप से 6 अक्टूबर को प्राइम वीडियो पर होगा। माजामा एक पारंपरिक त्योहार और एक जीवंत, रंगीन शादी की जश्न की पृष्ठभूमि के खिलाफ सेट है। एक ऐसी कहानी के साथ जो आपके दिल को छू लेगी।

कॉफी विद करण शो में गौरी खान

बालीवुड स्टार शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान ने अपने करियर में सबसे बड़ी समस्या 'शाहरुख खान की पत्नी' होना बताया है। गौरी खान ने ये बात कॉफी विद करण के एपिसोड में कही है। शाहरुख खान की पत्नी गौरी एक लीडिंग इंटीरियर डेकोरेटिंग बिजनेस की मालकिन हैं। साथ ही गौरी प्रोडक्शन हाउस 'रेड चिलीज एंटरटेनमेंट' के तहत कई फिल्मों को भी प्रोड्यूज कर चुकी है। हालांकि उनकी सफलता की इस जर्नी में सुपरस्टार हसबैंड होने का टैग उनके लिए हमेशा फायदेमंद साबित नहीं हुआ। उन्होंने शेयर किया, 'एक नए प्रोजेक्ट पर विचार करते समय, कुछ लोग ऐसे होते हैं जो मुझे एक डिजाइनर के रूप में मानते हैं। लेकिन कई बार ऐसा भी होता है जब यह उस तरह से काम नहीं करता है क्योंकि कई बार लोग शाहरुख खान की पत्नी के साथ काम करने के बोझ से नहीं जुड़ना चाहते हैं। मेरे लिए ये (सेलीब्रिटी वाइफ का टैग) 50 प्रतिशत समय खिलाफ ही काम करता है।'बता दें कि बॉलीवुड में अक्सर 'नेपोटिज्म' की बात होती रही है और 'स्टार किड्स' अपने-अपने तरीके से खुद को साबित करने के तर्क देते रहे हैं।

शादी के बाद और भी बोल्ड हुईं मौनी रॉय

टीवी और बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय शादी के बाद और भी ज्यादा बोल्ड हो गई हैं। मौनी अक्सर अपनी हॉट एंड ग्लैमरस तस्वीरों से इंटरनेट का तापमान बढ़ाती रहती हैं। हाल ही में मौनी ने ब्लू कलर की प्रिंटेड हाई स्लिट कट आउट ड्रेस में अपनी कुछ बोल्ड तस्वीरें शेयर की है। मौनी ने अपने लुक को लाइट मेकअप और ओपन हेयर के साथ कंप्लीट किया है। मौनी कैमरे के सामने अलग-अलग अंदाज में पोज देती दिख रही हैं। मौनी का यह बोल्ड लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। 'ब्रह्मास्त्र' की सक्सेस के बाद मौनी इन दिनों मालदीव में वेकेशन एंजॉय कर रही हैं। वेकेशन के दौरान मौनी फैंस के साथ लगातार अपनी तस्वीरें शेयर कर रही हैं।

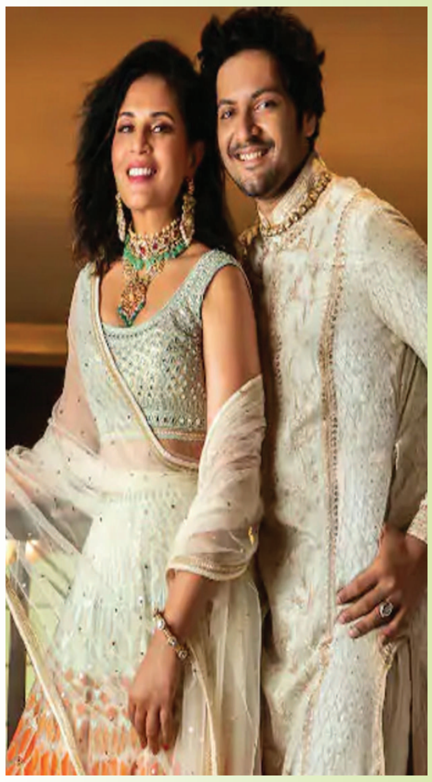

ऋचा चड्ढा और अली फजल की शादी का जश्न होगा पर्यावरण के अनुकूल

फिल्म फुकरे के सेट पर मिले ऋचा चड्ढा और अली फजल जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। यह कपल 6 अक्टूबर को करीबी दोस्तों और परिवार की मौजूदगी में शादी करेगा। ऋचा और अली अपनी शादी के बाद दो अलग-अलग रिसेप्शन की मेजबानी करेंगे। उनका पहला रिसेप्शन 2 अक्टूबर को दिल्ली में होगा, उसके बाद 7 अक्टूबर को मुंबई में एक और रिसेप्शन होगा। इस महीने के अंत तक ऋचा और अली के लिए शादी का जश्न शुरू हो जाएगा। अन्य बातों के अलावा जोड़े की कथित तौर पर एक पर्यावरण के अनुकूल शादी होगी। एक सूत्र ने बताया, युगल अपनी शादी को पर्यावरण के प्रति जागरूक और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए अपनी शादी की योजना बना रहे हैं। इस जोड़े ने एक शादी की योजना बनाने वाली कंपनी को चुना है जो प्राकृतिक तत्वों का उपयोग करके सजावट, पुनर्नवीनीकरण या पुनर्निर्मित लकड़ी और पर्यावरण के अनुकूल सजावट के सामान सहित विभिन्न साधनों का उपयोग कर रही है। ऋचा और अली अपने विवाह समारोहों में भोजन की बर्बादी को कम करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।सभी टीमों को प्लास्टिक कचरे को कम करने और जितना संभव हो सके समारोह के दौरान रिसाइकिल योग्य प्लास्टिक का उपयोग करने के लिए जानकारी दी गई है। ऋचा ने अपनी शादी के गहने कस्टम-मेड करवाने के लिए 175 वर्षीय बीकानेर परिवार को भी शामिल किया है। पहले इस जोड़े की शादी 2020 में होनी थी, लेकिन महामारी के कारण उनकी शादी की तैयारी टाल दी गई थी। ऋचा और अली कई सालों से साथ हैं और हाल ही में निर्माता बने हैं। ऋचा ने हाल ही में शादी की पुष्टि की और कहा कि वे अपने जीवन के नए अध्याय को लेकर बहुत उत्साहित हैं। हाल ही में, दोनों के लिए शादी के निमंत्रण सोशल मीडिया पर साझा किए गए थे और प्रशंसक इस जोड़े को प्यार से नहलाने में मदद नहीं कर सके।

फिल्में निर्देशित करना चाहते है पंकज त्रिपाठी

जाने-माने अभिनेता पंकज त्रिपाठी को कहानी सुनाना बहुत पसंद है और वह फिल्मों के निर्देशन में भी अब अपना हाथ आजमाना चाहते हैं। पंकज ने कहा, 'मैं अभिनय की दुनिया में इसलिए आया हूं क्योंकि मुझे यह पसंद है। मैं बिहार के एक छोटे से गाँव से आता हूं, कहानियाँ सुनकर बड़ा हुआ हूँ। अब मुझे कहानियाँ सुनाने का भी शौक हो गया है।' 'तो, अभिनय के अलावा, मैं एक फिल्म निर्देशित करना चाहता हूं। एक निर्माता भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन यह निर्देशक है जिसके पास कहानी की दृष्टि होती है।' अभिनेता पंकज त्रिपाठी कई फिल्मों का हिस्सा रहे हैं, लेकिन यह 2012 में अनुराग कश्यप की 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' थी, जिससे उनको सफलता मिली।

ब्रिटेन और भारत के बीच बढ़ते संबंधों में पहला कदम हो एफटीए: क्लेवरली

न्यूयॉर्क । ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दीपावली तक पूरा करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है और ब्रिटेन की उनकी समकक्ष लिज ट्रस भी चाहती है कि उनका प्रशासन भारतीय नेता की रफ्तार और महत्वाकांक्षा के साथ चले। क्लेवरली ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय संबंध व्यापक और पुराने हैं और इसलिए, बहुत अधिक व्यापक, अर्थपूर्ण मुक्त व्यापार समझौता करने की आकांक्षा भी है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने कहा कि निश्चित ही प्रधानमंत्री मोदी ने दीपावली तक मुक्त व्यापार समझौता करने का बहुत ही महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इसका मतलब है कि हमें और भारतीय वार्ताकारों को बहुत मेहनत करनी होगी और हम इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, कि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि जो भी समझौता हम करें वह भारत के साथ लगातार बढ़ते व्यापार और आर्थिक संबंधों की दिशा में पहला कदम हो। क्लेवरली ने कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी की महत्वाकांक्षा के साथ चलने को उत्सुक हैं। मोदी बहुत ही महत्वाकांक्षी हैं, भारत के लिए उनकी महत्वाकांक्षाएं हैं, वह भारत के साथ हमारे संबंधों को लेकर महत्वाकांक्षी हैं और यह सब कुछ बहुत ही सकारात्मक है। हमारी प्रधानमंत्री (ट्रस) चाहती हैं कि हम आपके प्रधानमंत्री की रफ्तार और महत्वाकांक्षा के साथ चलें।

एडीबी ने एशियाई क्षेत्र की वृद्धि का अनुमान घटाकर 4.3 प्रतिशत किया

मनीला । एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने एशियाई क्षेत्र के वृद्धि के अनुमान को घटा दिया है। ऐसा यूक्रेन युद्ध, बढ़ती ब्याज दरें और चीनी अर्थव्यवस्था की मंद पड़ी रफ्तार के मद्देनजर किया गया है। एडीबी ने विकासशील एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के लिए वृद्धि के अनुमान को पूर्व के 5.2 प्रतिशत से घटाकर 4.3 प्रतिशत किया है। बुधवार को जारी क्षेत्रीय परिदृश्य को संशोधित कर 2023 के लिए वृद्धि दर के अनुमान को 5.3 प्रतिशत से घटाकर 4.9 प्रतिशत किया है। एडीबी के अर्थशास्त्रियों का कहना है, कि तीन दशक में ऐसा पहली बार होगा कि अन्य विकासशील एशियाई अर्थव्यवस्थाएं चीन की तुलना में अधिक तेजी से वृद्धि करेंगी। चीन की अर्थव्यवस्था के इस वर्ष 3.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। यह 2021 के 8.1 प्रतिशत के अनुमान और एडीबी के अप्रैल के पांच प्रतिशत के अनुमान से कहीं कम है। भारत और मालदीव की अर्थव्यवस्था की वृद्धि सबसे तेज रहने का अनुमान लगाया गया है। एडीबी का अनुमान है, कि भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत तथा मालदीव की 8.2 प्रतिशत रहेगी। श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में 8.8 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है जबकि जबकि पिछले वर्ष उसकी वृद्धि दर 3.3 प्रतिशत रही थी।

सोना 442 रुपये चढ़ा, चांदी में 558 रुपये का उछाल

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी और रुपये में गिरावट के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 442 रुपये बढ़कर 50,399 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोने का भाव 49,957 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सोने की तरह चांदी भी 558 रुपये के उछाल के साथ 58,580 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 58,022 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 51 पैसे टूटकर 80.47 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ के साथ 1,677 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। चांदी 19.69 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर थी।

शेयर बाजार में दूसरे दिन भी रहा गिरावट का दौर, सेंसेक्स 337 अंक टूटा

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट दिखाई दी। बीएसई सेंसेक्स 337 अंक से अधिक टूटकर बंद हुआ। दरअसल अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में वृद्धि तथा वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच बाजार नीचे आया। सेंसेक्स 337.06 अंक की गिरावट के साथ 59,119.72 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 624 अंक तक नीचे आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 88.55 अंक की गिरावट के साथ 17,629.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में पावरग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लि., एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट प्रमुख रूप से लाल निशान पर बंद हुए। दूसरी तरफ, हरे निशान पर रहने वाले शेयरों में टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, मारुति और आईटीसी शामिल हैं। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। वहीं यूरोपीय शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार में बुधवार को गिरावट रही। बाजार जानकारों का कहना है कि फेडरल रिजर्व उम्मीद के विपरीत अधिक आक्रामक हुआ है और उसने नीतिगत दर को अंत तक बढ़ाकर 4.4 प्रतिशत करने का संकेत दिया है। यह संकेत है कि मौद्रिक नीति को लेकर अगली दो बैठकों में ब्याज दर में 1.25 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इसके साथ अमेरिकी-डॉलर सूचकांक 111 से ऊपर चला गया। डॉलर के मुकाबले रुपया 80 से ऊपर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, भारतीय शेयर बाजार सीमित गिरावट के साथ

अपनी मजबूती को बनाए रखने में कामयाब रहा। लेकिन अगर रुपये में गिरावट जारी रही, बाजार विदेशी निवेशकों के लिये अल्पकाल में कम आकर्षक होगा। उसका असर बाजार पर पड़ेगा।'' इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.55 प्रतिशत बढ़कर 90.32 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने दो दिन की लिवाली के बाद बुधवार को शुद्ध रूप से 461.04 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर की बिक्री की।

एसबीआई ने बॉन्ड के जरिये जुटाए 4,000 करोड़

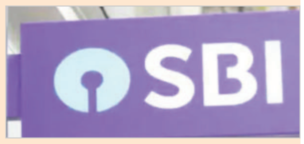

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) 7.57 प्रतिशत की कूपन दर पर बॉन्ड जारी करके 4,000 करोड़ रुपए जुटा लिए हैं। यह राशि बासेल-3 मानकों के अनुरूप टियर-2 बॉन्ड जारी करके जुटाई गई है। एसबीआई ने कहा कि बॉन्ड निर्गम में निवेशकों की जोरदार प्रतिक्रिया देखी गई। इसमें 9,647 करोड़ रुपए की बोलियां मिलीं, जो 2,000 करोड़ रुपए के मूल निर्गम आकार के मुकाबले लगभग पांच गुना है। एसबीआई ने कहा कि यह देश के सबसे बड़े बैंक में निवेशकों के भरोसे का प्रतीक है। बैंक ने निवेशकों की प्रतिक्रिया के आधार पर 7.57 प्रतिशत की कूपन दर पर 4,000 करोड़ रुपए जुटाने का फैसला किया।

एप्पल 2025 तक भारत में चार में से एक आईफोन बनाएगी

नई दिल्ली । एप्पल इंडिया ने कहा है कि वह वर्ष 2025 तक भारत में चार में से एक आईफोन बनाने की तैयारी कर सकता है। ब्रोकरेज को उम्मीद है कि 2022 के अंत तक एप्पल आईफोन 14 के उत्पादन का लगभग 5 फीसदी भारत में स्थानांतरित कर देगा। गौरतलब है कि जो चीन के बाद भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार है। चीन में बढ़ती जियो-पोलिटिकल टेंशन और सख्त कोरोना लॉकडाउन की वजह से एप्पल को ये फैसला लेना पड़ रहा है। रिपोर्ट की मानें तो एप्पल के अन्य प्रोडक्ट्स मैक, आईपैड, ऐप्पल वॉच और एयरपॉड्स सहित सभी कई अन्य प्रोडक्ट्स में से लगभग 25 फीसदी चीजें 2025 तक चीन के बाहर मैन्युफैक्चर होंगी। एप्पल ने भारत पर बड़ा दांव लगाया है क्योंकि उसने 2017 में विस्ट्रॉन के माध्यम से देश में आईफोन असेंबली शुरू की और बाद में फॉक्सकॉन के साथ। महामारी की वजह से सप्लाई में कमी आई थी लेकिन अब कंपनी सहित ज्यादातर कंपनियां इस वर्ष सप्लाई चैन को ठीक कर रही हैं। वहीं ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट ने इस महीने की शुरुआत में जानकारी दी थी कि टाटा ग्रुप विस्ट्रॉन के साथ बातचीत कर रहा है ताकि देश में आईफोन को असेंबल करने के लिए एक जॉइंट वेंचर स्थापित किया जा सके।

यूरोप में मंदी की आशंका, वैश्विक बाजार में और बढ़ेगी अस्थिरता : सीईओ, जेपी मॉर्गन

मुंबई । शेयर बाजार में कुछ स्थायित्व के बीच अब खबर आ रही है यूरोप में मंदी की आशंका बलवती हो रही है। इंटरनेशनल ब्रोकरेज हाउस जेपी मॉर्गन के सीईओ ने यूरोप में मंदी की आशंका जताई है। जेमी डिमोन का मानना है कि यूरोप शायद मंदी की ओर जा रहा है जिसके कारण ग्लोबल मार्केट में भारी अस्थिरता देखने को मिल सकती है। एक मीडिया इंटरव्यू में उन्होंने यह बात कही है। जेमी डिमोन ने कहा कि, 'मैं निश्चित रूप से बाजार में उतार-चढ़ाव का अनुमान लगा सकता हूं'। वहीं डॉलर के सवाल पर उनका मानना है कि अमेरिकी करेंसी भले ही और मजबूत न हो लेकिन मौजूदा स्तरों से कमजोर भी नहीं होगी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने और निवेशकों की अपेक्षा से अधिक बढ़ोतरी के अनुमान के बाद आज डॉलर की कीमत दो दशक के उच्च स्तर पर पहुंच गई। वहीं जेपी मॉर्गन के सीईओ जेमी डिमोन ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक रुख रखा है और कहा कि भारत पर अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी का प्रभाव अन्य वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कम होगा। ब्याज दरों में बढ़ोतरी से ग्रोथ स्टॉक और वैल्यू स्टॉक पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ेगा लेकिन भारत में इसका कम असर देखने को मिलेगा। क्योंकि भारत में आपके पास बहुत सारे ग्रोथ स्टॉक हैं, विकास संभावनाएं इतने लंबे समय तक अच्छी हैं, यह बस होने जा रहा है भारत में लंबी अवधि के पैसे निवेश करने वाले लोगों पर एक अलग प्रभाव पड़ता है। इससे पहले भी कई अर्थशास्त्री वैश्विक मंदी की आशंका जाहिर कर चुके हैं। इनमें आईएमएफ की एमडी और मशहूर इकोनॉमिस्ट नूरील रूबिनी शामिल हैं। इन्होंने अमेरिका समेत दुनियाभर में 2022 के आखिरी तक आर्थिक मंदी आने की भविष्यवाणी की है। नूरील रूबिनी का मानना है कि यह आर्थिक सुस्ती 2023 तक चल सकती है।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने लगातार तीसरी बार बढ़ाई 0.75 फीसदी ब्याज दरें

- आरबीआई भी ब्याज दरों में कर सकता है बढ़ोतरी

नई दिल्ली । अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने बुधवार अपनी ब्याज दर में 0.75 फीसदी की बढ़ोतरी की है। यूएस फेड ने लगातार तीसरी बार ब्याज दरें बढ़ाई हैं। इसके तहत अब रिकी केंद्रीय बैंक अपनी ब्याज दर को बढ़ाकर 3-3.25 फीसदी ले आया है। साथ ही बैंक ने संकेत दिए हैं कि वह आने वाली बैठक में भी ब्याज दरों में बड़ी बढ़ोतरी कर सकता है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक देश में महंगाई पर रोक लगाने के लिए लगातार ब्याज दर बढ़ा रहा है। गौरतलब है कि हाल के महीनों में अमेरिका में महंगाई 40 साल के उच्चतम स्तर पर चली गई थी। केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि वह

ब्याज दरों को साल 2023 तक 4.6 फीसदी तक ले जा सकता है। अधिकारियों को उम्मीद है कि बेंचमार्क रेट साल के आखिर तक 4.4 फीसदी तक बढ़ाई जा सकती है। इसके बाद साल 2023 में इसे बढ़ाकर 4.6 फीसदी ले जाने का अनुमान है। यूएस फेड ने इस साल पांचवीं बार अपनी बेंचमार्क शॉर्ट टर्म ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। बता दें कि महंगाई को काबू में करने के लिए केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में बढ़ोतरी करते हैं। अमेरिकी केंद्रीय बैंक के बाद अब आरबीआई भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। इसके बाद बैंक भी लोन पर ब्याज दर बढ़ा देंगे। इसका सीधा-सीधा नुकसान लोन लेने वालों को होगा। होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन सहित हर तरह के लोन पर ब्याज दरें बढ़ जाएंगी। जिन्होंने पहले से लोन ले रखा है, उन्हें घर के लिए कर्ज ले रखा है, उन्हें ईएमआई अधिक चुकानी होगी।

बैंकों का फंसा कर्ज 0.90 प्रतिशत घटकर पांच प्रतिशत होने का अनुमान

मुंबई । बैंकों का फंसा कर्ज चालू वित्त वर्ष में 0.90 प्रतिशत घटकर पांच प्रतिशत आ सकता है। इसका कारण जा रहा है कि बड़ी कंपनियों को दिए गए कर्ज के मामलों में सुधार बताया जा रहा है। क्रिसिल रेटिंग्स ने रिपोर्ट में यह कहा। इतना ही नहीं वित्त वर्ष 2023-24 में इसमें और गिरावट आएगी और इसके एक दशक के निचले स्तर चार प्रतिशत आ सकता है। क्रिसिल रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार हालांकि फंसे कर्ज को लेकर सभी चीजें अच्छी नहीं हैं। बैंकों के सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) को दिए गए कर्ज को लेकर चिंता है। एमएसएमई कोविड-19 से प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। इस क्षेत्र में सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) मार्च, 2024 तक बढ़कर 10-11 प्रतिशत हो सकता है जो 31 मार्च, 2022 को 9.3 प्रतिशत था। रिपोर्ट के अनुसार पिछले वित्त वर्ष में राहत उपायों से संपत्ति की गुणवत्ता के मामले में स्थिति कुछ ठीक रही। हालांकि, इस क्षेत्र में सर्वाधिक छह प्रतिशत कर्ज पुनर्गठन हुआ है जबकि कुल मिलाकर बैंकों में यह दो प्रतिशत रहा। इनमें से करीब एक-चौथाई खाते फंसे कर्ज में तब्दील हो सकते हैं। इसमें कहा गया है कि एमएसएमई के विपरीत बड़ी कंपनियों का कर्ज के मामले में प्रदर्शन अच्छा रहा है। एजेंसी ने कहा कि बड़ी कंपनियों के मामले में सकल एनपीए में अच्छा सुधार होने की उम्मीद है। इनके मामले में फंसा कर्ज अगले वित्त वर्ष में घटकर दो प्रतिशत से नीचे आने का अनुमान है जो 31 मार्च, 2018 को 16 प्रतिशत था।

अडाणी ने प्रतिदिन 1,600 करोड़ जोड़कर मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ा

मुंबई । अडाणी समूह के प्रमुख गौतम अडानी ने संपत्ति मामले में रिलायंस के प्रमुख मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ दिया है। जारी आईआईएफएल वेल्थ-हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2022 में देश के कुल 1103 अरबपति शामिल है जिनकी संपत्ति एक हजार करोड़ रुपए से अधिक है। इसमें 96 व्यक्ति पहली बार शामिल हुए है। जारी की गई अमीरों की सूची 2022 के अनुसार अडाणी ने प्रतिदिन 1,600 करोड़ रुपए जोड़कर रिलायंस समूह के मुखिया मुकेश अंबानी को पछाड़ दिया। अंबानी की कुल संपत्ति 7,94,700 करोड़ रुपए के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले एक साल के दौरान अडानी की संपत्ति में जोरदार उछाल देखा गया है। इस दौरान उनकी नेटवर्थ में 5,88,500 करोड़ रुपए की बढ़ोत्तरी हुई है। गौतम अडानी की हर दिन के हिसाब से होने वाली कमाई को देखें तो उन्होंने हर दिन करीब 1,612 करोड़ रुपए कमाए हैं। अंबानी वर्ष 2021 में अडाणी की कुल संपत्ति से दो लाख करोड़ रुपए आगे थे लेकिन वर्ष 2022 में अडाणी उनसे तीन लाख करोड़ रुपए निकल गए। रिपोर्ट के अनुसार साइरस पूनावाला अपनी संपत्ति में 41,700 करोड़ रुपए जोड़ते हुए 2,05,400 करोड़ रुपए की कुल संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर हैं। सॉफ्टवेयर क्षेत्र में काम करने वाले शिव नडार 1,85,800 रुपये की कुल संपत्ति के साथ सूची में चौथे स्थान पर रहे। इसके साथ ही वह दिल्ली के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। राधाकृष्ण दमानी को सूची में पांचवा स्थान मिला है उनकी कुल संपत्ति 1,75,100 करोड़ रुपये जबकि विनोद शांतिलाल अडाणी की कुल संपत्ति 1,69,000 करोड़ रुपये है जिससे वह छठे स्थान पर हैं। हिंदुजा समूह के एसपी हिंदुजा 1,65,000 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सातवें स्थान पर है। इसी तरह 1,51,800 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ एलएन मित्तल आठवें स्थान पर हैं।

आरईसी को मिला महारत्न कंपनी का दर्जा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आरईसी को 'महारत्न' सेंट्रल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज (सीपीएसई) का दर्जा मिल गया है। यह दर्जा मिलने से कंपनी को ज्यादा ऑपरेशनल और फाइनेंशियल ऑटोनॉमी मिलेगी। आरईसी महारत्न का खिताब पाने वाली 12वीं कंपनी है। वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले लोक उपक्रम विभाग ने इस बारे में आदेश जारी किया। आरईसी का गठन 1969 में हुआ था। यह गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है जो देशभर में पावर सेक्टर के फाइनेंस और डेवलपमेंट पर केंद्रित है। कंपनी ने कहा कि भारत सरकार ने उसे महारत्न का दर्जा दिया है। यह किसी सरकारी कंपनी को दिया जाने वाला सबसे बड़ा दर्जा है। इससे आरईसी बोर्ड को वित्तीय फैसले लेने में ज्यादा अधिकार मिलेंगे। इससे पहले पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, कोल इंडिया, गेल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, एनटीपीसी लिमिटेड, ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड को महारत्न कंपनी का दर्जा मिल चुका है। इसके अलावा देश में 13 नवरत्न और 74 मिनीरत्न सेंट्रल

सेंट्रल पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज शामिल हैं। महारत्न का दर्जा ऐसी कंपनियों को मिलता है जो स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड हो और जिसका सालाना टर्नओवर पिछले तीन साल में 25,000 करोड़ से अधिक हो। साथ ही पिछले तीन साल में इसकी औसत नेटवर्थ 15000 करोड़ रुपए से अधिक होनी चाहिए और औसत नेट प्रॉफिट 5000 करोड़ रुपए से अधिक होना चाहिए।

भारत में होंडा कार्स की बिजनेस बंद करने की योजना नहीं

–कंपनी की आने वाले दिनों में बिजनेस बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली । होंडा कार्स कंपनी ने साफ कर दिया है कि उनकी भारत के कारोबार को बंद करने की उसकी कोई योजना नहीं है और वास्तव में आने वाले दिनों में इसे बढ़ाने की योजना है। होंडा कार्स इंडिया के अध्यक्ष और सीईओ ताकुया सुमुरा ने कहा, हम भारत छोड़कर नहीं जा रहे हैं। हम एक ऐसा बाजार क्यों छोड़ेंगे, जो अब विश्व का चौथा सबसे बड़ा बाजार है? हम यहां 20 साल से ज्यादा से अपना बिजनेस कर रहे हैं। इसलिए जाने का कोई कारण नहीं है। होंडा कार्स वर्तमान में भारतीय बाजार में होंडा सिटी, अमेज, डब्ल्यूआर-वी और जैज जैसे मॉडल बेचती है। कंपनी ने इस साल की शुरुआत में अपने प्रमुख सेडान होंडा सिटी का हाइब्रिड मॉडल में लॉन्च किया था। अगले साल कंपनी नई मिड साइज एसयूवी लॉन्च करने जा रही है। नई एसयूवी हुंडई क्रेटा और किआ सेल्टोस जैसी पॉपुलर कारों को टक्कर देगी। होंडा कार्स के भारत छोड़ने की अफवाहों का दौर तब शुरू हुआ, जब कंपनी ने दिसंबर 2020 में सिविक और सीआर-वी जैसी कारों को बंद करने का फैसला किया था। कंपनी ने ग्रेटर नोएडा में स्थित अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट को भी बंद कर दिया था। कंपनी ने कहा था कि यह फैसला उसके पुनर्गठन की वैश्विक पहल का हिस्सा है। ताकुया सुमुरा ने कहा कि ग्रेटर नोएडा प्लांट के अलावा होंडा कार्स का राजस्थान के टपुकारा में स्थित एक और मैन्युफैक्चरिंग प्लांट है। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में हमारे लिए वक्त मुश्किल था, लेकिन मैं अब कह सकता हूं कि यह दौर बीत चुका है और कंपनी अब अच्छी स्थिति में है। कारोबार पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत होंडा ने कई वैश्विक संयंत्रों को बंद करने का फैसला किया था, जिसमें एक नोएडा प्लांट भी शामिल था।' देखा जाए तो होंडा को भारत में तेजी से पॉपुलर हो रहे एसयूवी सेगमेंट में कुछ खास सफलता नहीं मिली है। सीआर-वी और डब्ल्यूआर-वी जैसी कारों को आजमाने के बावजूद होंडा कार्स सफलता हासिल नहीं कर पाई। हालांकि, होंडा क्रेटा, सेल्टोस को टक्कर में आने वाली नई एसयूवी के बारे में आश्वस्त दिखाई दी है। फिलहाल आने वाली एसयूवी के बारे में तो कंपनी सामने नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि होंडा कुछ अच्छे फीचर्स और डिजाइन के साथ इसे उतारेगी।

उबर ने ड्राइवरों से कहा, कैब में पीछे बैठे यात्री के लिए सीट बेल्ट लगाना जरुरी

ओला ने भी अपने ड्राइवरों को एडवाइजरी जारी की

मुंबई । देश में जल्द ही राइड हेलिंग कंपनियां अपनी कैब में पीछे बैठने वाले यात्रियों के लिए भी सीट बेल्ट जरुरी कर सकती हैं। हाल ही में उबर तकनीक ने भारत में अपने ड्राइवरों से पूछा है कि क्या उनके वाहनों में बैकसीट यात्रियों के लिए सीट बेल्ट उपलब्ध है और अगर ऐसा नहीं है,तब वे इस पर काम करें। रिपोर्ट के मुताबिक, उबर ने ड्राइवरों को एक सलाह में कहा, जुर्माना या राइडर्स की शिकायत से बचने के लिए कारों में रियर सीट बेल्ट की सुविधा सुनिश्चित करें। यह कदम दुनिया के चौथे सबसे बड़े कार बाजार भारत में सड़क सुरक्षा को लेकर छिड़ी बहस के बीच आया है। हाल ही में भारत के टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। वे जिस कार में सफर कर रहे थे, वह एक मर्सिडीज की एसयूवी थी, जिसे काफी सुरक्षित माना जाता है। मामले में पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया था कि एसयूवी में पीछे बैठे मिस्त्री ने सीट बेल्ट नहीं पहना था। ज्यादातर मामलों में कार और टैक्सी मालिक अपनी पिछली सीटों पर सीट बेल्ट के ऊपर सीट कवर लगाते हैं, जिसके बाद सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं होता है। उबर ने अपनी एडवाइजरी में ड्राइवरों को बैकसीट सीट बेल्ट लगाना सुनिश्चित करने के लिए कहा है। कंपनी ने कहा कि अगर बेल्ट सीट कवर के नीचे छिपा हुआ है, तब कृपया कवर हटा दें। मोदी सरकार ने कार निर्माता रियर सीट बेल्ट के लिए एक अलार्म सिस्टम इंस्टॉल करें और सभी कारों में छह एयरबैग को अनिवार्य करें। दूसरी तरफ भारतीय कैब सर्विस कंपनी ओला ने भी ने ड्राइवरों को सीट बेल्ट नियमों को लागू करने के लिए एक सलाह भी भेजी है।

भारत-अफ्रीका मैच पर होगा जनरेटर के भरोसे!: बिजली बिल बकाया होने के कारण स्टेडियम का पावर कनेक्शन काटा

तिरुवनंतपुरम । भारत-अफ्रीका का तिरुवनंतपुरम में होने वाले मैच पर एक बड़ा संकट छाने लगा है। दरअसल, ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम का बिजली बिल बकाया होने के कारण स्टेडियम का पावर कनेक्शन काट दिया गया है। ऐसे में फैन्स को यह डर सताने लगा है कि बिजली कट जाने के कारण कहीं मैच ना शिफ्ट हो जाए। मगर इसको लेकर केरल क्रिकेट एसोसिएशन के एक अधिकारी ने कहा कि मैच तो हर हाल में होकर रहेगा। चाहे मैच कराने के लिए जनरेटर का ही सहारा क्यों ना लेना पड़े। इस मुकाबले के लिए जनरेटर की व्यवस्था भी कर ली गई है। केसीए के अधिकारी ने कहा, 'बिजली हो या ना हो, मैच को हर हाल में जनरेटर की सहायता से कराया जाएगा। यही इंटरनेशनल गेम का तरीका है, क्योंकि कोई भी मैच राज्य की बिजली आपूर्ती पर निर्भर नहीं हो सकता है। हमें मैच से पहले और बाकी तैयारियों के लिए भी बिजली की जरूरत है। इसके लिए बैक-अप की तैयारी कर ली गई है। जनरेटर को सेवा में लगाया जाएगा। हम मैच को कराना चाहते हैं और यह होकर ही रहेगा।'केरल के इलेक्ट्रिक बोर्ड ने स्टेडियम का बिजली कनेक्शन काट दिया है, क्योंकि इस पर करीब 2.5 करोड़ से ज्यादा रुपये का बिल बकाया बताया गया है.

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टी20 आज, कमजोर गेंदबाजी टीम के लिए बनी सिरदर्द

जसप्रीत बुमराह के खेलने को लेकर अभी भी संशय

नागपुर । पहले मैच में बड़े स्कोर के बाद भी नाकाम रही भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में बने रहने के लिए शुक्रवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी कमियों को दूर करने की कोशिश करेगी, लेकिन स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बुमराह ने इंग्लैंड दौरे के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। वह पीठ दर्द के कारण एशिया कप में नहीं खेले थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए बुमराह को टीम में चुना गया, लेकिन टीम प्रबंधन ने उन्हें पहले मैच में अंतिम एकादश में नहीं रखा। इससे यह आशंका पैदा हो गई क्या वह अभी पूरी तरह से फिट है या नहीं। टीम इनदिनों अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण को लेकर चिंतित है, जिसमें ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी शामिल है। उन्होंने जो पिछले 14 ओवर किए हैं, उसमें 150 रन लुटाए हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार डेथ ओवरों में नहीं चल पा रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19वें ओवर में गेंद संभाली लेकिन इन तीन ओवरों में उन्होंने 49 रन दे दिए। ऐसी परिस्थितियों में भारत के लिए बुमराह का फिट होना बेहद जरूरी हो गया है। भारत को ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्वकप से पहले अभी पांच मैच खेलने हैं, इन मैचों में टीम को अपनी सभी कमजोरियों को दूर करना होगा। भारत विश्व कप में अपना पहला मैच 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। एशिया कप से पहले जहां भारत के लिए शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों का रवैया परेशानी का सबब बना हुआ था। वहीं अब गेंदबाजी उसके लिए चिंता का कारण बन गई है, क्योंकि बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में भारतीय गेंदबाजों की कमजोरी खुलकर सामने आई है। किसी भी तरह की परिस्थिति में भारत के मुख्य स्पिनर रहे युजवेंद्र चहल में पहले की तरह मारक क्षमता नहीं दिख रही है। पिछले कुछ मैचों में वह काफी महंगे साबित हुए हैं। उन्हें उन विकेटों पर भी अच्छा प्रदर्शन करने का तरीका ढूंढना होगा जो कि स्पिनरों के मददगार नहीं होते हैं। रवींद्र जडेजा के चोटिल होने के बाद टीम में लिए गए ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने हालांकि पिछले मैच में तीन विकेट लेकर अपनी काबिलियत दिखाई है। पिछले मैच में भारत की फील्डिंग भी अच्छा नहीं रही और तीन आसान कैच टपकाए। इसके लिए पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने भी टीम की आलोचना की थी। बल्लेबाजी में आक्रमक रुख का फायदा मिल रहा है। पिछले मैच में इसी अंदाज में बल्लेबाजी करके केएल राहुल, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव ने रन बटोर कर स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया था, जबकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली जल्दी आउट हो गए थे।

कबड्डी खिलाड़ियों को शौचालय में परोसा खाना, क्रिकेटर धवन और हरभजन ने उठाई आवाज

(एजेंसी)

हाल ही में सहारनपुर में कबड्डी खिलाड़ियों को शौचालय में खाना परोसे जाने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। वीडियो में महिला कबड्डी खिलाड़ियों का खाना शौचालय में रखा हुआ दिखाई दे दिया था। अब इस मामले में भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने आवाज उठाते हुए यूपी सरकार से इस मामले में कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। धवन ने ट्वीट कर इस घटना पर सवाल उठाया है। धवन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और यूपी सरकार को टैग कर लिखा, राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में कबड्डी खिलाड़ियों को शौचालय में खाना खाते हुए देखना बहुत निराशाजनक है, मैं सीएम योगी आदित्यलनाथ और यूपी सरकार से अनुरोध करता हूं कि इसकी जांच की जाए और आवश्यक कार्रवाई की जाए। वहीं हरभजन सिंह ने इसका वीडियो शेयर करते हुए ट्वीट कर लिखा, मैं सीएम योगी आदित्यनाथ से अनुरोध करता हूं कि इस मामले पर संज्ञान लें। इसी के साथ ही हरभजन ने इस बाबत आवाज उठाने के लिए धवन का शुक्रिया भी अदा किया। गौर हो कि पूरा मामला यूपी के सहारनपुर का है। यहां डॉ भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में 16 से 18 सितंबर तक लड़कियों की सब-जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगता में राज्य की 300 से अधिक खिलाड़ी लड़कियां भाग ले रही थी। इस दौरान कबड्डी खिलाड़ियों को शौचालय में खाना परोसे जाने का किसी ने वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर डाल दिया जो कुछ ही घंटों में वायरल हो गया। इसके बाद यूपी प्रशासन एक्शन में आया और सहारनपुर के जिला खेल अधिकारी अनिमेष सक्सेना को निलंबित किया। इतना ही नहीं खाना बनाने व खिलाड़ियों को उपलब्ध कराने वाले ठेकेदार को 'ब्लैकलिस्ट% किया गया है। सहारनपुर के जिलाधिकारी अखिलेश सिंह ने कहा कि अपर जिला मजिस्ट्रेट (वित्त और राजस्व) रजनीश कुमार मिश्रा को घटना की जांच करने के लिए कहा गया है और वह तीन दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे।

लॉर्ड्स में अपना विदाई मैच खेलेगी झूलन गोस्वामी, टीम मैंच को पूरा एंज्वॉय करेंगी : हरमनप्रीत

मुंबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का कहना है कि अब टीम के लिए लॉर्ड्स में होने वाला सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे खास बन गया है। हरमनप्रीत की नाबाद 143 रन की आकर्षक शतकीय पारी और रेणुका सिंह के चार विकेट की मदद से भारत ने दूसरे वनडे में इंग्लैंड को 88 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है। हरमनप्रीत ने कहा, लॉर्ड्स वनडे हमारे लिए बहुत स्पेशल है, क्योंकि यह झूलन गोस्वामी का विदाई मैच होगा। और हम चाहते हैं कि बिना किसी दबाव के इस मुकाबले को एंज्वॉय करें। मैं दूसरा वनडे जीतने पर बहुत खुश हूं। और अब हम आखिरी मुकाबले का लुत्फ उठाना चाहते हैं। झूलन मैच के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहेगी। महिला टीम ने इस तरह से इंग्लैंड की धरती पर 1999 के बाद पहली बार वनडे सीरीज जीती। महिला टीम ने 23 साल पहले इंग्लैंड को 2-1 से हराया था। हरमनप्रीत ने अपनी शतकीय पारी में 111 गेंदों का सामना करके 18 चौके और चार छक्के लगाए। यह उनका वनडे क्रिकेट में पांचवा और इंग्लैंड के खिलाफ दूसरा शतक है। हरलीन देओल ने 58 और सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 40 रन का योगदान दिया जिससे भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 333 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

भारत की पहली टी20 हार पर जडेजा की तीखी प्रतिक्रिया, ऑस्ट्रेलिया के पास हर चीज का जवाब था

(एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में 209 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए चार गेंद शेष रहते जीत हासिल की और 1-0 की बढ़त ले ली। भारत का 208/6 का स्कोर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रारूप में उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर था लेकिन फिर भी महमान टीम इस लक्ष्य को भेदने में कामयाब रही। स्पिनर अक्षर पटेल ही एकमात्र ऐसा खिलाड़ी था जिसने विश्व चैंपियन बल्लेबाजों के लिए समस्या पैदा की, जबकि डैथ ओवरों में एक बाद फिर जसप्रीत बुमराह की कमी खली। भारत के पूर्व बल्लेबाज अजय जडेजा ने कहा, मैं उस स्थिति के बारे में सोचने की कोशिश कर रहा हूं जहां भारत के पास मौका था, सिवाय जब अक्षर पटेल गेंदबाजी कर रहे थे और उन्होंने स्ट्रेच पर गेंदबाजी भी नहीं की। उन ओवरों को छोड़कर, ऑस्ट्रेलिया के लिए कोई समस्या नहीं थी। उन्हें कोई चांस लेने की भी जरूरत नहीं थी। कैमरून ग्रीन की 30 गेंदों में 61 रनों की 61 रनों की मदद से ऑस्ट्रेलिया को पहले 10 ओवरों में हावी होने में मदद मिली। जडेजा ने कहा, भारत ने उन योजनाओं को आगे बढ़ाया जो उनके पास थी जब उन्होंने वे विकेट लिए और यह काम नहीं किया। यह पता लगाना वाकई मुश्किल है कि हम कहां चूक गए क्योंकि उस पूरी पारी में हम गलत थे। ऐसा कोई एक चरण नहीं है जिसे मैं चुन सकता हूं और कह सकता हूं कि कुछ अलग किया जा सकता था। पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा, शुरुआत में शायद मैंने अक्षर पटेल (समस्या के रूप में) के गेंदबाजी करने की ओर इशारा किया होगा क्योंकि गेंद सीम कर रही थी लेकिन वह सर्वश्रेष्ठ आंकड़ों के साथ समाप्त हुआ। ऐसा लग रहा था कि वह दूसरों के लिए एक अलग खेल खेल रहा है। चहल ने कुछ ऐसे मैच खेले हैं जिनमें चीजें उनके मुताबिक नहीं रही हैं। मैं रोहित शर्मा के लिए बुरा करता हूं, उन्होंने जो कुछ भी किया वह सही था लेकिन ऑस्ट्रेलिया के पास हर चीज का जवाब था।

संक्षिप्त समाचार

भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच के टिकट खरीदने को लेकर अफरा-तफरी, चार घायल

हैदराबाद : भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां 25 सितंबर को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के टिकट खरीदने को लेकर जिमखाना मैदान पर गुरुवार को अफरा-तफरी का माहौल बन गया जिसमें चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि धक्का-मुक्की होने के कारण कुछ लोग असहज महसूस करने लगे जिनमें कुछ महिलाएं भी शामिल थी। इनमें से कुछ लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया और अब उनकी स्थिति अच्छी है। मैच के टिकट खरीदने के लिए सैकड़ों क्रिकेट प्रेमी जिमखाना मैदान पर पहुंचे हुए थे और पुलिस को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। कुछ क्रिकेट प्रेमियों ने बताया कि वह टिकट खरीदने के लिए तड़के ही जिमखाना मैदान पहुंच गए थे।

भुवनेश्नर की सपोर्ट में आए ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज, बोले- वह बहुत अच्छा फिनिशर है

(एजेंसी) : मोहाली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार को खेला गया पहला टी-20 भारत ने गंवा दिया था। मैच में भारत को भुवनेश्वर द्वारा डालाा गया 19वां ओवर महंगा पड़ा था, इस ओवर में भारतीय तेज गेंदबाज ने 16 रन लुटा दिए थे। लगातार मैचों में डैथ ओवर के दौरान फेल होने के चलते भुवी की जमकर निंदा हो रही है। सोशल मीडिया पर क्रिकेट फैंस भुवी से डैथ ओवर में गेंदबाजी न करवाने की सलाह भी दे रहे हैं लेकिन इसी बीच ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर मैथ्यू हेडन का कहना है कि भुवनेश्वर अभी भी अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। भुवनेश्वर कुमार को डेथ ओवर का कमजोर गेंदबाज कहने पर हेडन ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मैं इससे असहमत हूं, मुझे लगता है कि वह बहुत अच्छा फिनिशर है और रहा भी है। मुझे लगता है कि यह उनकी भूमिका है, मेरा मतलब है, जाहिर है, उनकी भूमिका विकेट लेने की है। अगर आपका कप्तान अंत में आपसे एक या दो ओवर चाहता है तो वह ऐसा कर सकता है। बता दें कि मोहाली में पहले टी-20 में ऑस्ट्रेलिया को 12 गेंदों में 18 रनों की जरूरत थी, जिसके बाद भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने भुवनेश्वर को गेंद थमाई। भुवनेश्वर ने ओवर में 16 रन दे दिए। जिस कारण भारतीय टीम को 20वें ओवर में डिफेंड करने के लिए मात्र 2 रन रह गए और ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में चार विकेट से जीत हासिल की थी। इसी के बाद इस पर बहस छिड़ गई कि भुवनेश्वर आखिरी के ओवर में अच्छे साबित हो सकते है कि नहीं। गौर हो कि इसके पहले एशिया कप में भी भुवनेश्वर ने डेप्थ ओवर में श्रीलंका के खिलाफ 14 रन और पाकिस्तान के खिलाफ 19 रन दिए थे।

उच्च न्यायालय ने पूर्व हॉकी कोच मारिन को मनप्रीत सिंह पर बयान, साक्षात्कार देने से रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कोच शोर्ड मारिन को अपनी किताब में पुरुष राष्ट्रीय टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह के खिलाफ लगाए आरोपों के संबंध में बयान जारी करने से रोकते हुए कहा कि प्रथम दृष्ट्या ये मानहानि करने वाले लगते हैं। अदालत ने प्रकाशक हार्पर कोलिन्स पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के वकील की दलील पर भी गौर किया कि मनप्रीत द्वारा दायर मुकदमे के लंबित रहने तक उनका इरादा किताब के विवादास्पद हिस्से को प्रकाशित करने का नहीं है। किताब के संबंधित हिस्से को पढने् के बाद न्यायमूर्ति अमित बंसल ने कहा कि मेरे नजरिए से प्रथम दृष्टया बयान अपमानजनक और याचिकाकर्ता (मनप्रीत सिंह) की प्रतिष्ठा और साख को नुकसान पहुंचाने वाले लगते हैं। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्ट्या मामला बनता है और इसका संतुलन मनप्रीत के पक्ष में और मारिन के खिलाफ है जिनकी पुस्तक 'विल पावर - द इनसाइड स्टोरी ऑफ द इनक्रेडिबल टर्नअराउंड इन इंडियन वुमेंस हॉकी' का बुधवार को विमोचन होना है। अदालत ने कहा कि अगर ये बयान सार्वजनिक होते हैं तो इससे मनप्रीत की प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति होगी। सुनवाई की अगली तारीख 18 नवंबर को तय करते हुए अदालत ने कहा कि नतीजतन सुनवाई की अगली तारीख तक प्रतिवादी संख्या दो (मारिन) को याचिकाकर्ता के प्रति मानहानि वाली पांडुलिपि के संबंध में बयान, साक्षात्कार जारी करने से रोका जाता है। उच्च न्यायालय ने मनप्रीत के वकील को एक मीडिया घराने को पत्र लिखकर उस खबर को हटवाने की स्वीकृति भी दी जिसमें मनप्रीत के खिलाफ मारिन के आरोपों की विस्तृत जानकारी है।

राष्ट्रमंडल खेलों की असफलता के बाद मनिका बत्रा की निगाहें राष्ट्रीय खेलों में मजबूत वापसी पर

सूरत । बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा को सफलता नहीं मिली लेकिन अब यह शीर्ष भारतीय इस महीने विश्व चैम्पियनशिप के लिए रवाना होने से पहले राष्ट्रीय खेलों में मजबूत वापसी के लिये प्रयासरत है। बत्रा 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के बड़े स्टार में से एक थीं, उन्होंने महिला एकल के अलावा टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने इसी साल एशियाई खेलों में मिश्रित युगल का कांस्य पदक जीता था। लेकिन पिछले महीने बर्मिंघम से वह खाली हाथ लौटी थीं। राष्ट्रीय खेलों के लिये यहां पहुंची बत्रा ने 'वर्चुअल' बातचीत में पत्रकारों से कहा, 'निश्चित रूप से जब मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में अपने मैच गंवाये तो मैं दुखी और निराश थी लेकिन मैंने हमेशा खुद से कहा है कि दुनिया यहीं खत्म नहीं होती।' शीर्ष रैंकिंग भारतीय खिलाड़ी ने कहा, '2018 मेरे लिए शानदार वर्ष था। इस बार मैं राष्ट्रमंडल खेलों से पहले अपना सर्वश्रेष्ठ खेली। मैंने विश्व टूर पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया और अच्छे खिलाड़ियों को हराया।' लेकिन वह अब अपनी गलतियों को सुधारने पर कड़ी मेहनत कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे कड़ी मेहनत करना जारी रखना होगा और वापसी करनी होगी। मैंने अपनी काफी गलतियों पर काम किया है और मेरे कोच मेरे 'स्पारिंग' जोड़ीदार रहे हैं। हमें अभी काफी बड़े टूर्नामेंट खेलने हैं और अगले साल एशियाई खेल भी हैं।' 30 सितंबर से शुरू होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए टेबल टेनिस खिलाड़ियों को चेंगडू रवाना होगा इसलिये राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह से पहले टेबल टेनिस खिलाड़ियों की यहां पीडीडीयू इंडोर स्टेडियम में स्पर्धायें शुरू हो जाएंगी।

भुवनेश्वर कुमार की पत्नी ने सोशल मीडिया पर ट्रोल्स को सुनाई खरी-खरी

नागपुर । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को 'डेथ ओवरों का अनुभवी गेंदबाज माना जाता है। भुवी ने कई मौकों पर साबित भी किया है। लेकिन हाल में इस स्विंग के सुल्तान' का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। भुवी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 में अपने चार ओवर में 52 रन लुटा दिए, और उन्हें कोई विकेट भी नहीं मिला। इस मैच के 19वें ओवर में वह काफी महंगे साबित हुए। लोग उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल करने लगे। इसके बाद भुवनेश्वर की पत्नी नूपुर नागर ने ट्रोल्स को जमकर खरी खरी सुनाई। नूपुर ने लिखा, आजकल लोग नकारा हो गए हैं। उनके पास कोई काम नहीं है और वह इतना खाली हैं कि उनके पास नफरत और ईर्ष्या फैलाने का बहुत समय है। मेरी उन्हें सलाह है कि आपके कुछ भी कहने और आपके होने से किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता। आप इस समय खुद को बेहतर बनाने में लगाएं। हालांकि इसका स्कोप बहुत कम है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर भी भुवी के इस प्रदर्शन से चिंतित हैं। गावसकर ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ग्राउंड पर बहुत ज्यादा ओस थी। बकौल गावस्कर, हमने गेंदबाजों या फील्डर्स को अपनी अंगुलियों को सुखाने के लिए तौलिए का इस्तेमाल करते हुए नहीं देखा।

T20 World Cup 2022 : स्कॉटलैंड ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की

एडिनबर्ग (स्कॉटलैंड) ।

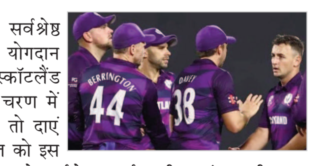

स्कॉटलैंड क्रिकेट ने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा कर दी है। पेसर जोश डेवी और ब्रैड व्हील ने यूएई में पिछले साल के टूर्नामेंट के विभिन्न चरणों के दौरान प्रभावित किया और उन्हें एक मजबूत टीम में चुना गया जिसकी कप्तानी अनुभवी बल्लेबाज रिचर्ड बेरिंगटन करेंगे। रिची बेरिंगटन उस पक्ष का नेतृत्व करेंगे जिसमें क्रिस ग्रीव्स शामिल हैं जिन्होंने पिछले साल आईसीसी टी 20 विश्व कप में पदार्पण किया था और बांग्लादेश के खिलाफ मैच जिताने वाली 45 रन की पारी खेली थी। मैट क्रॉस विकेटकीपिंग करेंगे और बेरिंगटन के लिए प्रतिनियुक्ति करेंगे। युवा बल्लेबाज ब्रैंडन मैकमुलेन ने भी कॉल-अप अर्जित किया। अनुभवी सीमर अली इवांस और गेविन मेन अंतिम 15 से चूक गए जबकि उच्च श्रेणी के बल्लेबाज ओलिवर हेयर्स भी उल्लेखनीय रूप से अनुपस्थित हैं। सुधार करने वाली स्कॉटलैंड टीम अपने अधिकांश रन के लिए बेरिंगटन पर बहुत अधिक निर्भर करेगी जबकि अनुभवी जोड़ी हेनरी मुन्से और कैलम मैकलियोड भी अच्छा स्कोर करने में सक्षम हैं। स्कॉटलैंड के शीर्ष क्रम में बेरिंगटन का अनुभव मूल्यवान होगा, जिसमें 35 वर्षीय ने दो अर्धशतक लगाए और पिछले साल के आयोजन के दौरान टीम के सर्वश्रेष्ठ 177 रनों का योगदान दिया। अगर स्कॉटलैंड को सुपर 12 चरण में आगे बढ़ना है तो दाएं हाथ के बल्लेबाज को इस साल फिर से अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की आवश्यकता होगी जिसमें बेरिंगटन की टीम आयरलैंड, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के साथ पहले दौर के ग्रुप बी में शामिल होगी। टीम पर, मुख्य कोच शेन बर्गर ने स्कॉटलैंड क्रिकेट द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, हम टी20 विश्व कप के लिए अपने 15 खिलाड़ियों की घोषणा करने के लिए बहुत खुश और उत्साहित हैं। हमने 15 का चयन किया है जो हमें विश्वास है कि वांछित प्रभाव डालेंगे। जो खिलाड़ी विश्व कप में नहीं जा रहे हैं, हम उन्हें आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय सम्मान के लिए चुनौतीपूर्ण देखने के लिए उत्सुक हैं।

स्कॉटलैंड टी20 विश्व कप टीम :

रिचर्ड बेरिंगटन (कप्तान), जॉर्ज मुन्से, माइकल लीस्क, ब्रैडली व्हील, क्रिस सोल, क्रिस ग्रीव्स, सफ्यान शरीफ, जोश डेवी, मैथ्यू क्रॉस, कैलम मैकलियोड, हमजा ताहिर, मार्क वाट, ब्रैंडन मैकमुलेन, माइकल जोन्स और क्रेग वालेस।

2023 में पहली बार भारत आएगी मोटो जीपी विश्व चैम्पियनशिप

नई दिल्ली । एफआईएम विश्व चैम्पियनशिप ग्रां प्री (मोटो जीपी) का आयोजन करने वाली स्पेन की डोरना स्पोर्ट्स ने खेल गतिविधि क्षेत्र में कार्य करने वाली भारतीय कंपनी फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स के साथ मिलकर बुधवार को देश में पहली बार मोटो जीपी ग्रां प्री के आयोजन की घोषणा की। आयोजकों ने बताया कि देश की पहली मोटो जीपी प्रतियोगिता 'ग्रां प्री ऑफ भारत' का आयोजन नोएडा, उत्तर प्रदेश के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में 2023 में होगा। विज्ञप्ति में कहा गया कि आयोजन में 19 देशों के रेसर भाग लेंगे। उत्तर प्रदेश में होने वाली रेस को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यह राज्य के लिए गर्व की बात है कि वह वैश्विक स्तर के खेल आयोजन की मेजबानी करने जा रहा है। इससे न केवल पर्यटन क्षेत्र में वृद्धि होगी बल्कि यह उत्तर प्रदेश को वैश्विक मंच पर लाकर खड़ा कर देगा। इस आयोजन को कामयाब बनाने के लिए हमारी सरकार हर तरह की आवश्यक मदद करेगी। दोनों कंपनियों के बीच सात वर्षों के लिए हुए इस समझौते के जरिए डोरना का उद्देश्य है कि वह अन्य राज्यों की सरकारों के साथ कार्य करते हुए देश में मोटरसाइकिल वातावरण को प्रोत्साहित करें और अंतरराष्ट्रीय स्तर के भारतीय मोटर जीपी राइडरों को बढ़ावा दे। डोरना स्पोर्ट्स के प्रबंधन निदेशक कार्लोस एजपेलेटा ने कहा कि मोटो जीपी लगातार नए दर्शक जोड़ रही है। हमारी योजना में भारत प्रमुख है जो इसे नई सीमाएं देगा। हम देश में ग्रां प्री ऑफ भारत के साथ दर्शकों के एक बड़े समूह को खेल की ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) पुष्कर नाथ ने कहा कि देश में मोटरसाइकिलिंग को एक खेल के रूप में बड़े स्तर पर प्रशंसित किया जाता है।

गुजरात के तैराक पूरी तरह तैयार, एक दर्जन से अधिक पदकों का है लक्ष्य

अहमदाबाद। गुजरात के तैराकों ने कड़े ट्रेनिंग कैम्प बाद मंगलवार को टेबल टेनिस मुकाबलों के साथ सूरत में शुरू हुए 36वें राष्ट्रीय खेलों में एक दर्जन से अधिक पदक जीतने का लक्ष्य रखा है।

गुजरात टीम के कोच और स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष कमलेश नानावती ने कहा, "हमारे पास पदक जीतने की अच्छी संभावनाएं हैं और हम पूल से सबसे अधिक पदक लाने की उम्मीद करते हैं।"

कमलेश ने कहा, "टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले माना पटेल, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के में हिस्सा लेने वाले अंशुल कोठारी, जूनियर विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा ले चुके आर्यन नेहरा, आर्यन पांचाल और देवांश परमार से लोगों को उम्मीदें बहुत अधिक हैं। मुझे लगता है कि हमारी झोली में अच्छे खासे पदक आएंगे।"

दो अक्टूबर से राजकोट में होने वाले तैराकी इवेंट्स में 50 पदक दांव पर हैं।

तैराकों को सरकार से पूरा समर्थन मिला है और वे अहमदाबाद के सावी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अत्याधुनिक स्विमिंग पूल में हफ्तों से प्रशिक्षण ले रहे हैं।

कैंप के सुपरवाइजर और गुजरात टीम के सहायक कोच ध्रुव व्यास ने बताया कि अभ्यास सत्र हर दिन सुबह 5 बजे शुरू होता है। व्यास ने कहा, च्वार्म-अप, विभिन्न तैराकी सत्र, फिजियो, आहार और अन्य सभी आवश्यक चीजों का सरकार द्वारा पूरे दिन ध्यान रखा जा रहा है। पैडल, पूल बॉय और स्नोर्कल जैसे उपकरणों की भी व्यवस्था की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि खिलाड़ी सभी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके ट्रेनिंग लें।

सरकार द्वारा निभाई गई सक्रिय भूमिका की खिलाड़ियों के साथ-साथ कोचों ने भी सराहना की है। और उनका मानना है कि पदक के रूप में राज्य को इसका फायदा जरूर मिलेगा।

दूसरी ओर, खिलाड़ियों को अब तक जो पुरस्कार राशि प्राप्त होती रही है, उससे वे दोगुनी की उम्मीद कर सकते हैं।

कोच कमलेश नानावती ने बताया कि राष्ट्रीय तैराकी चैम्पियनशिप के दौरान कुछ अनुभवी तैराकों को आराम दिया गया था ताकि वे पूरी तरह फिट रहते हुए राष्ट्रीय खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

नानावती ने कहा, " गुवाहाटी में भाग लेने वालों ने भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। इनमें अंशुल कोठारी, दिशांत मेहता, माना पटेल, दिया पटेल, अंशुल, आर्यन नेहरा और आर्यन पांचाल शामिल हैं।"

तीस्ता सीतलवाड़, पूर्व डीजीपी आर.बी.श्रीकुमार और पूर्व आईपीएस संजीव भट्ट के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

अहमदाबाद।

2002 के गुजरात दंगों से जुड़े मामलों गुजरात में विशेष जांच दल ने में कथित तौर पर साक्ष्य गढ़ने के आरोपी तीस्ता सीतलवाड़ सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक आर।बी। श्रीकुमार और पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट के खिलाफ अहमदाबाद की एक अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। शीर्ष अदालत ने 2002 के गोधरा कांड के बाद भड़के दंगों को लेकर गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी और 63 अन्य को विशेष जांच दल द्वारा दी गई क्लीन चिट को चुनौती देने वाली जकिया जाफरी की याचिका खारिज कर दी थी। इस फैसले के एक दिन बाद अहमदाबाद अपराध शाखा ने सीतलवाड़, श्रीकुमार और संजीव भट्ट के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की थी।

6,300 पन्नों के आरोपपत्र में 90 गवाहों का उल्लेख है और पूर्व आईपीएस अधिकारी से वकील बने राहुल शर्मा और कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य शक्ति सिंह गोहिल को भी इस मामले में गवाह बनाया गया है। अन्य गवाहों के बयान गुजरात दंगों के पिछले मामलों और तीनों आरोपियों द्वारा विभिन्न अदालतों और आयोगों के समक्ष पेश हलफनामों से लिए गए हैं।

पुलिस ने कहा कि आरोपपत्र में हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के प्रासंगिक निर्णयों और विभिन्न अदालतों में जकिया जाफरी द्वारा दायर याचिकाओं का भी हवाला दिया गया है। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी), 194 (मौत की सजा दिलाने के लिए दोषसिद्धि के इरादे से झूठे सबूत देना या गढ़ना) और 218 (लोक सेवक द्वारा लोगों को सजा से बचाने के इरादे से गलत जानकारी दर्ज करना) और 120 बी (आपराधिक साजिश) समेत अन्य प्रावधानों के तहत आरोप लगाए गए हैं। जून के अंतिम सप्ताह में गिरफ्तार सीतलवाड़ को सुप्रीम कोर्ट के दो सितंबर के आदेश के बाद अंतरिम जमानत पर रिहा कर दिया गया था। वहीं, श्रीकुमार इस मामले में जेल में बंद हैं, जबकि तीसरे आरोपी भट्ट पालनपुर की जेल में हैं, जहां वह हिरासत में मौत के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं।

ओमकार सुरी आराधना भवन में तीन दिवसीय साधु साध्वीजी भगवंत के लिए पाठों की एक श्रृंखला का आयोजन किया

सूरत भूमि, सूरत।

पाल ओमकार सुरी आराधना भवन में पं.पू.आ.भ. श्री अशोकसागर सूरी म.सा., प.मू.आ.भ. श्री सागरचंद्रसागर सूरी म.सा., पं.पू.आ.भ. श्री नयचंद्रसागर सूरी म.सा., पं.पू.आ.भ. श्री सौम्यचंद्रसागर सूरी म.सा., पं.पू.आ.भ. श्री विवेकचंद्र सागर सूरी म.सा., पं.पू.आ.भ. श्री आगमचंद्र सागर जी, पं.पू. पद्मचंद्रसागर आदि 50 से अधिक साधु भगवंत साथ ही 200 जैसे अलग-अलग समुदाय के साथ भी भगवान जैसे कि सागर समुदाय, नेमीसूरी समुदाय, नीतीसूरी समुदाय, प्रेमभुवनभानु समुदाय, रामसुरी डहेलावाला समुदाय, भक्तिसूरी समुदाय, कलापूर्ण सूरी समुदाय, धर्मसूरी समुदाय, ओंकारसूरी समुदाय, विक्रमसूरी समुदाय, राजेंद्रसुरी कलीकुंडवाला समुदाय जैसे 12 से अधिक समुदाय के साध्वी भगवंत उपस्थित थे।

जिसमें उन्हें जर्मनी में फंसी जैन लड़की अरिहा को जर्मनी से भारत वापस लाने के लिए नमस्कार महामंत्र का जाप कराया गया। पू. साधु साध्वी जी भगवंत के जाप द्वारा शीघ्र ही वापस आए और माता-पिता की मनोकामनाएं पूरी हो और शीघ्र ही पुत्री अपने माता पिता से वापस मिले। साथ ही तीन दिवसीय पाठ के उत्सव में पू. साधु साध्वी जी भगवंत का सभी कैस्टयू मैं अभिनंदन किया और दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर सभी पूज्य गुरु द्वारा आवाहन किया गया कि जर्मनी में फंसी जैन पुत्री अरिहा को भारत वापस लाया जाए और जल्द ही इसे सुलझा लिया जाएगा अगर हल नहीं किया गया तो राजनीतिक दबाव लाया जाएगा और शांति पूर्वक प्रतिनिधित्व किया जाएगा। यह बात ट्रस्टी और जैन नेता श्री सुरेश भाई शाह ने कही।

तीन दिवसीय पाठ के श्रृंखला में जैन संघ को एकजुट करने और नियम का जश्न मनाने के उद्देश्य के साथ ही साधु साध्वी जी भगवान के श्रमण श्रमणी जीवन में नैतिक तरीके से जीने के लिए हित शिक्षा दी गई।

कच्छ जिले के सुदूरवर्ती नखत्राणा समूह ग्राम पंचायत को नगर पालिका का दर्जा

गांधीनगर ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के सीमावर्ती कच्छ ज़िले के सुदूरवर्ती क्षेत्र नखत्राणा को नागरिक सुख-सुवधाओं के समुचित अधिकार देने वाला महत्वपूर्ण निर्णय किया है। निर्णय के अनुसार मुख्यमंत्री ने नखत्राणा समूह ग्राम पंचायत के तीन गाँवों नखत्राणा मोटा, नखत्राणा नाना और बेरू गाँवों को समाविष्ट करने वाली नखत्राणा नगर पालिका का गठन करने को स्वीकृति दी है। पटेल ने कच्छ की सुदूरवर्ती विकसित तहसील के रूप में नखत्राणा समूह ग्राम पंचायत के नागरिकों को पानी, बिजली, सीवरेज व्यवस्था, बस स्टेशन, बाग़-बगीचे, टाउन हॉल तथा सड़क-मार्ग जैसी ढाँचागत सुविधाओं की सुख-सुविधाएँ सरलता से उपलब्ध कराने की उदार भावना से यह निर्णय किया है। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री ने नखत्राणा तहसील के समीपस्थ क्षेत्रों में हाल में कार्यरत एवं भविष्य में स्थापित होने वाले नए उद्योगों के परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली नागरिक सुख-सुविधाओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नखत्राणा समूह ग्राम पंचायत द्वाराग्राम पंचायत को नगर पालिका का दर्जा दिए जाने के लिए सर्वसंमति से किए गए

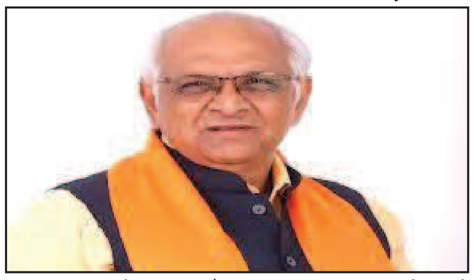

प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। मुख्यमंत्री के समक्षइस संबंध में किए गए प्रस्ताव के संदर्भ में राज्य सरकार ने पंचायत, ग्रामीण गृह निर्माण एवं ग्रामीण विकास विभाग के परामर्श में रहते हुए 21 सितंबर, 2022 को नखत्राणा समूह ग्राम पंचायत के तीन गाँवों नखत्राणा मोटा, नखत्राणा नाना तथा बेरू को शामिल कर नखत्राणा नगर पालिका का गठन किया है। नवगठित नखत्राणा नगर पालिका में प्रशासक के रूप में नखत्राणा के प्रांत अधिकारी की नियुक्ति करने संबंधी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

जेल में आत्महत्या का प्रयास करने वाले सात कैदियों की तबियत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती

वडोदरा ।

वडोदरा के सेंट्रल जेल में सात कैदियों के आत्महत्या की कोशिश से जेल प्रबंधन में हड़कम्प मच गया। फिनाइल पीकर आत्महत्या का प्रयास करने वाले इन कैदियों की तबियत बिगड़ने पर सभी को वडोदरा के सयाजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की खबर मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। कैदियों ने जेल अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कैदियों के मुताबिक उन्हें समय पर भोजन नहीं दिया जाता। इतना ही नहीं जेल की बैरक से भी बाहर निकलने नहीं दिया जाता। हर्षिल लिंबाचिया नामक कैदी ने आरोप लगाया कि जेलर उसे आए दिन प्रताड़ित करता है। उसका टिफिन बंद करवा दिया है और उसके लिए रुपए मांगे जाते हैं। मुझे हाईसिक्युरीटी में रखा गया है और उससे बाहर निकालने के लिए भी रुपए मांगते हैं। अन्य एक कैदी के मुताबिक जेल अधीक्षक मुझे बहुत परेशान कर रहे हैं। बाहर निकलने नहीं देते। टिफिन पर भी रोक लगा दी है। टिफिन आता है तो उसे गेट पर ही आधा फैंक देते हैं। जिससे परेशान होकर हमने फिनाइल पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। एक और कैदी ने बताया कि उसे बीपी की बीमारी है और उसे जेल के अस्पताल में भी नहीं जाने दिया जाता। गलत तरीके से जेल में उससे रुपए मांगे जाते हैं। एक साथ सात कैदियों के आत्महत्या करने की कोशिश के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर जेल प्रबंधन के खिलाफ सवाल उठ रहे हैं। कैदियों का आरोप है कि उन्हें तीन-चार महीने तक 24 घंटे बंद कर दिया जाता है। फिलहाल इन सभी कैदियों का वडोदरा के एसएसजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

अनवर नानू बने सूरत शहर कांग्रेस के महामंत्री

सूरत भूमि, सूरत।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति ने मंगलवार को सूरत शहर के नए पदाधिकारियों की सूची जारी की है। अनवर उर्फ नानू अल्लारखा घांसी को कांग्रेस सूरत शहर के महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अनवर नानू ने इसके लिए गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति एवं सूरत शहर कांग्रेस प्रमुख का आभार व्यक्त किया। अनवर नानू ने कहा कि जो जिम्मेदारी मिली है। उसे अच्छे से निभाएंगे एवं पार्टी को आगे ले जाएंगे उनके समर्थकों ने उन्हें बधाई दी है ।

मूविन ने अपना नेटवर्क 28 शहरों तक बढ़ाया, मुंबई में नया महत्वपूर्ण हब शुरू

यूपीएस और इंटरग्लोबल एंटरप्राईज़ेस के बीच संयुक्त उपक्रम के साथ इस साल मई में लॉन्च किए गए लॉजिस्टिक्स ब्रांड, मूविन ने टियर 1 और टियर 2 बाजारों में 28 शहरों तक अपने नेटवर्क का विस्तार करने की घोषणा की है। इस सामरिक विस्तार के तहत, मूविन देश में अपने हब्स की स्थापना भी करता जा रहा है, जिसमें से सबसे नया हब भिवांडी, महाराष्ट्र में स्थापित किया गया है। मूविन 2023 की पहली तिमाही तक और ज्यादा क्षेत्रीय केंद्र शुरू करने की अपनी कार्ययोजना के तहत 10 और हब्स विकसित करने की योजना बना रहा है। इससे इसकी प्रस्तुतियों का विस्तार होगा और बी2बी लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में लगातार बढ़ते अवसर का लाभ उठाने की इसकी क्षमता बढ़ेगी।

ऑपरेशंस के इस विस्तार के द्वारा टेक्नॉलॉजी के इनोवेशंस के साथ मूविन की एंड-ऑफ-डे एवं स्टैंडर्ड प्रीमियम डिलीवरी सेवाएं 2000 से ज्यादा पिनकोड्स में बी2बी ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करने में समर्थ बनेंगी। मूविन की अद्वितीय प्रस्तुतियों में पूरे देश में पूर्णत: अनुमानयुक्त, दिन एवं समयबद्ध सेवाएं शामिल हैं। इसका तेजी से बढ़ता हुआ हवाई और ऑनग्राउंड नेटवर्क स्थिर, अनुमानयुक्त, और चुस्त संचालन द्वारा सामान का सुगमता से आवागमन संभव बनाता है। भारत में नए हब्स स्थापित करके मूविन का विस्तार पिकअप एवं डिलीवरी के नेटवर्क में नए पिन कोड्स शामिल करता जा रहा है। यह विभिन्न सहयोगियों की मदद से एवं समर्पित कस्टमर सर्विस सेंटर चलाकर ग्राहकों को सुविधाजनक समाधान प्रदान करते हुए बेहतरीन सेवा क्वालिटी के मानक स्थापित कर रहा है।

जेबी सिंह, डायरेक्टर, इंटरग्लोब एंटरप्राईज़ेस एवं बोर्ड मेंबर, मूविन एक्सप्रेस ने कहा, "इस साल मई में लॉन्च के बाद मूविन की उल्लेखनीय वृद्धि साझेदार पर केंद्रित हमारी कार्ययोजना के अनुरूप है, जिसके तहत कस्टमाईज़्ड टेक्नॉलॉजी पर आधारित प्रशिक्षण द्वारा साझेदारों के लिए क्षमताएं बढ़ाई जाती हैं। हम मेट्रो, टियर 1 और टियर 2शहरों को क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा अपने सामरिक हब्स से जोड़कर तेजी से विस्तार कर रहे हैं और ग्राहकों को ज्यादा कवरेज प्रदान कर रहे हैं।

ट्राइडेंट लाइफलाइन 26 सितंबर को रू35.34 करोड़ का आईपीओ आ रहा

ट्राइडेंट लाइफलाइन घेरलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में फार्मास्युटिकल बिजनेस और एथिकल मार्केटिंग में कार्यरत है। कंपनी रू35.34 करोड़ का आईपीओ ला रही है, प्रत्येक शेर की कीमत रू101 है, जिसका अंकित मूल्य रू10 है, और न्यूनतम लॉट साइज 1,200 शेर है। इश्यू के लीड मैनेजर बीलाइन कैपिटल एडवाइज़र्स प्राइवेट लिमिटेड हैं और इस इश्यू के रजिस्ट्रार लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हैं। इश्यू 26 सितंबर को खुलेगा और 29 सितंबर 2022 को बंद होगा। बाद में यह बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होगा।

आईपीओ के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का मुख्य उद्देश्य हैं-

- कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए
- अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उत्पाद पंजीकरण
- सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य
- पब्लिक इश्यू खर्चों को पूरा करने के लिए

इस इश्यू के प्रवर्तक हैं:

श्री हार्दिक जिगीशकुमार ट्राइडेंट लाइफलाइन के प्रमोटर, अध्यक्ष और कार्यकारी निदेशक हैं। उन्हें फार्मास्यूटिकल्स के क्षेत्र में 8 साल का अनुभव है और टेक्सटाइल में दशकों का अनुभव है। वह कंपनी के समग्र प्रबंधन के लिए ज़िम्मेदार है।

श्री श्रवण हरिकृष्णा पटेल कंपनी के प्रबंध निदेशक हैं। उन्हें फार्मास्यूटिकल्स के क्षेत्र में 3 साल का अनुभव है। वह कंपनी के खरीद कार्य के लिए ज़िम्मेदार है।

श्री मयूरकुमार मनसुखभाई गजेरा कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक हैं। उन्हें फार्मास्यूटिकल्स के क्षेत्र में 3 साल का अनुभव है। वह कंपनी के बिक्री और खरीद कार्य के लिए ज़िम्मेदार है।

श्रीमती मनिया हार्दिक देसाई कंपनी की गैर-कार्यकारी निदेशक हैं। उन्हें फार्मास्यूटिकल्स के क्षेत्र में 5 साल का अनुभव है।

सुश्री ऐना सुराणा कंपनी की एक स्वतंत्र निदेशक हैं। उन्हें सामग्री रणनीति और कॉपी राइटिंग के क्षेत्र में लगभग एक वर्ष का अनुभव है।

श्री धवल विमल शाह कंपनी के एक स्वतंत्र निदेशक हैं। उन्हें आतिथ्य के क्षेत्र में 5 साल का अनुभव है।

ट्राइडेंट लाइफलाइन लिमिटेड एक विविध फार्मास्युटिकल कंपनी है, जिसके अपने ब्रांड, लोन लाइसेंस मॉडल और कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग मॉडल के तहत मैन्युफैक्चरिंग फॉर्मूलेशन फैले हुए हैं। कंपनी तीसरे पक्ष के वितरण नेटवर्क के माध्यम से फार्मास्युटिकल उत्पादों के वितरण में भी लगी हुई है। यह लोन लाइसेंस के तहत अनुबंध निर्माण पर निर्मित फार्मास्युटिकल फॉर्मूलेशन और उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। यह भारत के साथ-साथ अफ्रीकी, लैटिन अमेरिकी और पूर्वी भारतीय देशों में भी काम करता है। इसकी उत्पाद श्रेणियों में कैप्सूल, टैबलेट, लिक्विड ऑइंटमेंट, जेल, आइस जेल, माउथवॉश, पेस्ट, सॉल्यूशन, सस्पेंशन, टूथपेस्ट, सिरप और क्रीम शामिल हैं।

सीएमआरएसएल 27 सितंबर, 2022 को रू14.04 करोड़ का आईपीओ लेकर आ रही है

विज्ञापन तकनीक और डेटा एनालिटिक्स व्यवसाय में जुड़ी साइबर मीडिया रिसर्च एंड सर्विसेज लिमिटेड (CMRSL) रू14.04 करोड़ मूल्य के 780,000 शेरों का अपना IPO ला रही है। इश्यू 27 सितंबर को खुलेगा और 29 सितंबर 2022 को बंद होगा और बाद में एनएसई इमर्ज पर सूचीबद्ध होगा। रू 10 के अंकित मूल्य पर, प्रति शेर की कीमत रू 171 से रू180 प्रति इक्विटी शेर होगी और इसे 800 शेरों के हिस्सों में बेचा जाएगा। 780,000 शेरों में से 3,69,600 शेर QIB कोटा के लिए, 2,60,000 शेर रिटेल कोटा के लिए, 1,11,200 शेर HNI कोटे के लिए और 39,200 शेर मार्केट मेकर कोटा के लिए आरक्षित होंगे। इश्यू के लीड मैनेजर स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड है और इश्यू के रजिस्ट्रार लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड है।

निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग निम्नलिखित के लिए किया जाएगा-

i. कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं का वित्तपोषण

ii. नई परियोजनाओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में निवेश का वित्तपोषण

iii. इश्यू को पूरा करने के लिए व्यय

CMRSL एक ऐसे उद्योग में विज्ञापन तकनीक और डेटा एनालिटिक्स व्यवसाय में शामिल है जो तेजी से विस्तार कर रहा है। कंपनी के पास चार राजस्व धाराएँ हैं, जैसे, डिजिटल मार्केटिंग (विज्ञापनदाता), प्रोग्रामेटिक मीडिया ख़रीदना, प्रकाशक मुद्रीकरण और डेटा एनालिटिक्स। कंपनी डिजिटल तकनीक को लेकर जोशीली है और उसका मानना है कि डेटा-संवर्धन में एआई की एक अभिन्न भूमिका है और डिवाइस, प्रारूप और उपयोगकर्ता प्राथमिकताओं में बेहतर मार्केटिंग अनुभव प्रदान करता है। इसके विशिष्ट निवेशकों द्वारा समर्थित नवीन व्यवसायों को चलाने में 30 साल का ट्रैक रिकॉर्ड है। यह बढ़ती उद्योग की जरूरतों के लिए समाधान तैयार कर रहा है क्योंकि डिजिटल तकनीक भारत के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही है। कंपनी उस तकनीक में निवेश करेगी जो डेटा को उसके मूल (एमएल) में रखेगी। यह और मार्केटिंग ऑटोमेशन ग्राहक की सफलता के लिए आधारशिला होगा। यह उन उत्पादों में निवेश करना जारी रखेगा जो उच्च मार्जिन प्रदान करते हैं, साथ ही साथ अकार्बनिक विकास के अवसरों पर विचार करते हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)